डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 276 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 20 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रात 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

जानबुझकर अंजान बने हुए जिम्मेदार...

तलघरों का हो रहा व्यवसायिक उपयोग

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर में अवैध तरीके से तलघर निर्माण नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन को इन अवैध निर्माण की जानकारी है, लेकिन शिकायत के बाद भी अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। 8 से 10 फीट तक गहरे तलघरों का निर्माण अवैध रूप से किया जा रहा है। ज्यादातर ऐसे तलघरों का उपयोग व्यवसायिक गतिविधियों के लिए किया जाता है। ऐसे निर्माण करने वाले नगरीय प्रशासन से अनुमति नहीं लेते, फिर भी अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं करते।

शहर में बाजार सहित रिहायशी इलाकों में तलघरों का निर्माण कर उनका व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है। क्षेत्र में कई तलघर बन चुके हैं। कई जगहों पर वर्तमान में भी तलघरों का निर्माण जारी है। खास बात यह है कि तलघरों के निर्माण के लिए नगर पालिका से लोग परमिशन तक लेना जरूरी नहीं समझते हैं। स्थिति यह है कि अभी तक जितने भी तलघर नगर में बने हुए हैं, उनमें से अधिकांश ने कोई अनुमति नहीं ली। अवैध रूप से निर्माण कराए गए यह तलघर लोग अपने फायदे के लिए बनाते हैं और इनका व्यवसायिक उपयोग कर रहे हैं। शासन की ओर से तलघरों के निर्माण पर रोक लगाई गई है, सिर्फ पार्किंग व्यवस्था के लिए ही तलघरों की परमिशन दी जाती है, लेकिन नगर पालिका की लापरवाही और उदासीनता का नतीजा है कि लोग व्यवसायिक उपयोग के लिए तलघरों का निर्माण करा रहे हैं। नगरीय प्रशासन व स्थानीय प्रशासन आला अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी है। बावजूद इसके कार्रवाई को लेकर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

नपा को राजस्व की हानि भी हो रही...

शहर में धडल्ले से दो से तीन मंजिला तक मकान के साथ तलघरों का निर्माण किया जा रहा है। इस बात की जानकारी स्थानीय प्रशासन व नगरीय प्रशासन को होने के बावजूद भी कार्रवाई को लेकर अनदेखी की जा रही है। वहीं नपा को राजस्व की हानि हो रही है। ऐसे निर्माण की अनुमति लेने पर पहले शासन को शुल्क लमा कराया जाता है।

सिर्फ पार्किंग के लिए ही मिलती अनुमति...

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तलघर के लिए अनुमति व्यवसाय करने के लिए नहीं मिलती। बल्कि पार्किंग के उपयोग के लिए यह अनुमति दी जाती है। शहर के मुख्य मार्गों पर मौजूद दो से तीन मंजिला दुकानों पर तलघर में भी व्यवसायिक गतिविधियां जारी है।

तलघर के लिए टी एंड सीपी से अनुमति लेना जरूरी...

नगर में कहीं भी तलघर निर्माण नहीं किया जा सकता। नपा के साथ-साथ इसके लिए टी एंड सीपी (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग) से भी अनुमति लेना जरूरी हो गया है। शहर में बन रहे और बन चुके एक भी तलघर के लिए परमिशन नहीं ली गई है। खास बात यह है कि इन तलघरों को या तो प्रभावशाली लोग बना रहे हैं या फिर बनाने वालों को नेताओं का संरक्षण है। ऐसे में शिकायत होने के बाद भी अधिकारी कार्रवाई नहीं करते।

पशुपतिनाथजी मंदिर की ख्याति चहुंओर फैलाने में लाईब्रेरी का संचालन भी है प्रमुखता में...

मंदिर की लाईब्रेरी विलुप्ति की ओर, सूक्ष्म रूप में रखी किताबें

तत्कालीन कलेक्टर ओपी श्रीवास्तव की थी रूची, उन्होंने धार्मिक लाईब्रेरी का करवाया था नवीनीकरण

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अष्टमुखी पशुपतिनाथजी महादेव मंदिर को देश, विदेश में ख्याति दिलाने के भरसक प्रयास हो रहे हैं, लेकिन इन प्रयासों में कई खामियां भी है। इन एक खामियों में मंदिर परिसर में पूर्व में लगाई गई धार्मिक लाईब्रेरी का है। इस लाईब्रेरी में विभिन्न प्रकार की असंख्य धार्मिक पुस्तकें रखी होती थी। जिसे लोग आकर देखते और खरीदते थे। इससे मंदिर की प्रसिद्धि भी होती और लोगों का भक्ति भाव से रूझान होता। लेकिन, कोरोना काल के बाद पशुपतिनाथजी मंदिर में धार्मिक लाईब्रेरी का अस्तित्व ही समाप्त होने लगा है। एक तरह से लाईब्रेरी विलुप्ति की ओर हो गई है। वर्तमान में धार्मिक किताबें थोड़ी बहुत रखी गई है, जो प्रसाद काउंटर पर है। इस प्रसाद काउंटर पर किताबें भक्तों से दूर होती जा रही है। एक तरह से यह सूक्ष्म रूप दिखाई नहीं देता है। धार्मिक गतिविधि संचालन करने का जिम्मा मंदिर प्रबंध समिति को है, लेकिन लाईब्रेरी के वृहद संचालन में समिति के कर्ताधर्ता अकर्मण्य शैली में है। बता दें कि पूर्व में आईएएस ओमप्रकाश श्रीवास्तव जब मंदसौर के कलेक्टर थे, तब उन्होंने मंदसौर में रहते लाईब्रेरी में रूचि दिखाई थी। लाईब्रेरी का नवीनीकरण भी उन्होंने करवाया था। उनके मंदसौर से जाने के बाद इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। जबकि सभी प्रमुख मंदिरों में धार्मिक किताबों की लाईब्रेरी वृहद स्तर पर विद्यमान है। मंदसौर के पशुपतिनाथजी महादेव की अष्टमुखी प्रतिमा एक यहां और दूसरी चारमुखी प्रतिमा नेपाल में विराजित हैं। यह बताना भी जरूरी है कि तत्कालीन कलेक्टर द्वारा दो लाख रूपए से किताबें भी खरीदवाई गई थी, ताकि लाईब्रेरी का धार्मिक स्तर पर उचित और वृहद संचालन हो सके।

वर्ष 2019 में अतिवृष्टि के चलते पशुपतिनाथ मंदिर के बाहरी परिसर में भी जलजमाव हुआ था। पूर्व में मंदिर कार्यालय जहां लगता था, वहां ही लाईब्रेरी का स्थान बनाया गया था। बाढ़ के कारण लाईब्रेरी में पानी घुसा और किताबें गिली होकर खराब हो गई थी। तब से लाईब्रेरी के संचालन की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। धीरे-धीरे गिली हुई किताबों को ठिकाने लगा दिया गया। लाईब्रेरी का स्वरूप भी छोटा कर दिया गया। वर्तमान में थोड़ी बहुत किताबें मंदिर गर्भगृह के सामने स्थित प्रसाद काउंटर पर रखवाई गई है। ये किताबें बहुत कम मात्रा में बिकती है। वह भी तब, जब किसी भक्त का ध्यान उन किताबों की ओर पहुंच जाए। बताया गया है कि मंदिर में ऐसे भक्त भी आते हैं, जो धार्मिक किताबों की डिमांड भी करते हैं, लेकिन मंदिर प्रबंध समिति उस समय असहाय सी हो जाती है, क्योंकि किताबें उनके पास नहीं होती है। ऐसे में भक्तों को किताबें बुलवाने का कहकर समय को आगे बढ़ा दिया जाता रहा है।

पशुपतिनाथ लोक का हो रहा निर्माण, लाईब्रेरी के लिए भी बने हॉल...

वर्तमान में पशुपतिनाथ लोक का निर्माण हो रहा है। ड्राइन्ग व डिजाईन के अनुसार पर्यटन विभाग के बैनर तले यह निर्माण कार्य कराया जा रहा है। लेकिन, इसमें लाईब्रेरी के संचालन पर ध्यान नहीं है। धर्म से जुड़े जानकारों की मानें तो पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य में एक हॉल लाईब्रेरी के लिए भी बनाया जाए, ताकि कम से कम पूर्व की तरह पुस्तकालय तो संचालित हो सके। उधर, पशुपतिनाथ मंदिर समिति का वर्तमान कार्यालय जहां है, वहां भी उचित जगह है। लाईब्रेरी का संचालन यहां भी अल्प समय के लिए हो सकता है। लेकिन, इसमें इच्छा शक्ति का अभाव लगातार देखा जा रहा है।

22 से सावन माह होगा शुरू, धार्मिक किताबों की बढ़ेगी डिमांड...

बता दें कि 22 जुलाई से सावन माह शुरू होने जा रहा है। सावन माह भगवान भोलेनाथ की भक्ति से रमा रहता है। पूरे माह महिला हो अथवा पुरूष सभी महादेव की भक्ति में डूबे रहते हैं। सावन माह के पूरे दिन कुछ न कुछ धार्मिक कार्यक्रम मंदिर परिसर में चलते रहते हैं। दूर-दूर से लोग भी यहां दर्शन के लिए सावन माह में आते हैं। इस वर्ष सावन माह सोमवार से शुरू हो रहा है और सोमवार के दिन ही समाप्त होगा। सावन माह में पांच सोमवार आ रहे हैं। बता दें कि दूर-दूर से कावड़ यात्रा भी मंदिर तक पहुंचती है। पैदल यात्री भी दूर-दूर से आते हैं। जिले के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात सहित अनेक राज्यों से भक्तजन मंदसौर के पशुपतिनाथजी मंदिर में दर्शन के लिए आतुर रहते हैं। ऐसे में यहां धार्मिक भावना बहने के बाद भी धार्मिक किताबों के लिए लाईब्रेरी का विलुप्त होना, समझ से बाहर है। मंदिर समिति को चाहिए कि कम से कम सावन माह में तो धार्मिक किताबों का बड़ा स्टॉल लगाया जाए, और वो सीधे तौर पर लोगों को दिखाई दे।

ग्रामीण अंचलों से आने वाले लोग ज्यादा खरीदते हैं धार्मिक किताबें...

ग्रामीण अंचलों से आने वाले लोग धार्मिक ग्रंथों को ज्यादातर खरीदते हैं। इस तरह वृहद स्तर पर पूर्व की तरह पुस्तकालय आरंभ करने में इच्छा शक्ति की कमी देखी गई है। हालांकि, पशुपतिनाथ लोक का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इसके निर्माण के बाद मंदिर की लोक प्रसिद्धि भी हो सकेगी, लेकिन लाईब्रेरी का संचालन भी होना चाहिए, जिसे मंदिर समिति पिछले पांच वर्ष से विलुप्त की ओर बढ़ता देख रही है।

रोजाना हो रही शहर में लाखों लीटर पानी की बर्बादी...

पानी के लिए प्रार्थना भी और बर्बादी भी

पिछले दिनों किटियानी में ओवर फ्लो हुई थी टंकी, बह गया था कई गेलन जल

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पानी की किल्लत कई जगहों पर महसूस होने लगी है। कालाभाटा बांध की स्थिति देखकर आसानी से पता लगाया जा सकता है। बारिश के लिए प्रार्थनाओं का दौर जारी है। लेकिन पानी बर्बाद करने से भी लोग नहीं चूक रहे। लाखों लीटर पानी गाड़ियां धोने के लिए उपयोग किया जाकर बर्बाद किया जा रहा है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही किटियानी में पानी की टंकी ओवर फ्लो हो गई थी। टंकी भरने के समय का किसी ने ध्यान नहीं दिया और ओवर फ्लो हुई टंकी से हजारों गेलन पानी यूं ही ढूल गया।

शहर के कई इलाकों में पानी की किल्लत का सामना करना पड रहा है। बारिश की खेंच के चलते कई इलाकों में तो ऐसी स्थिति हो गई है कि दो बाल्टी पानी के लिए लोग एक दूसरे पर टूटे जा रहे हैं। जल संकट को देखते हुए शासन-प्रशासन कुएं अधिग्रहित कर रहा है तो अन्य प्रयास भी जारी है। वहीं शहर के वाहन वाशिंग सेंटरों में पानी की कोई कमी नहीं है।

शहर में कई जगहों पर चल रहा धंधा...

एक और नगरपालिका ने जल संकट को लेकर काफी पहले ही कुएं अधिग्रहित कर लिए है। इधर शहर में कई जगहों पर दिनरात चलने वाले बोर से रोजाना लाखों लीटर पानी निकालकर वाहनों की धुलाई में बर्बाद किया जा रहा है। इससे शोरूम और वाशिंग सेंटर चलाने वालों की कमाई तो हो रही है। लेकिन जल स्तर घटने की वजह से आसपास के इलाकों में हैंडपंप व बोर हवा उगलने लगे हैं। जिले में वाहनों की धुलाई के नाम पर हो रही पानी की बर्बादी को रोकने के कोई प्रयास नहीं किये गए।

बारिश का इंतजार, टोने-टोटकों का दौर जारी

शुक्रवार को भी बारिश का इंतजार रहा। इसके पहले गुरुवार को जिले में एक दो स्थानों पर हल्की बारिश हुई। आज भी जिले के कुछ स्थानों पर बारिश के आसार है। जिले में अब तक 7.75 इंच बारिश दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 डिग्री के आसपास बना हुआ है।मौसम जानकारों के अनुसार मानसून ट्रफ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना है। इस वजह से प्रदेश में अगले तीन चार दिन तक भारी बारिश का दौर चलेगा।इधर जिले में बारिश की खेच के चलते प्रार्थनाएं और टोटके किए जा रहे हैं। गुरुवार शाम को मंदसौर के श्मशान में गधों के हल चलवाकर उडद और नमक की बोवनी कर टोटका किया। इससे पहले शहर के ताले वाले बालाजी मंदिर में दो दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया गया। वहीं इंद्र देव को मनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में उजमनी का आयोजन किया जा रहा है।

एक वाहन पर ढाई सौ लीटर पानी की बर्बादी...

एक अनुमान के अनुसार एक आम सर्विस सेंटर में कार धुलाई पर तकरीबन 150 से 250 लीटर और दोपहिया वाहन पर 60 से 90 लीटर पानी बहाया जाता है। शहर वाहनों की बढती संख्या के अनुपात में वाहन धुलाई में खर्च होने वाले पानी की मात्रा भी बढती जा रही है। एक सर्विस सेंटर संचालक एक दिन में औसतन 20 से 25 बाइक और चार से पांच चार पहिया वाहन धोता है। इस लिहाज से देश भर में धुलाई सर्विस सेंटरों पर लाखों लीटर पानी रोज बर्बाद हो रहा है। सर्विस सेंटर के अलावा घरों में प्रतिदिन वाहन धोने वालों की बड़ी तादाद है, जो गाड़ी धुलने में अमूल्य पानी बर्बाद करते हैं।

सिर्फ कुएं अधिग्रहण, जांच पड़ताल नहीं...

जलसंकट को लेकर सिर्फ कुएं अधिग्रहण करने काम नगरपालिका कर रही है। वाशिंग सेंटर लगाम कसने वाला कोई नहीं है। वाहनों की बढती फौज के बाद शहर से लेकर गांवों तक वाहनों के वाशिंग सेंटर खुल गए हैं जो पानी की बर्बादी का बड़ा कारण है।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्राम मूंदेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने एक महिला के साथ शांदी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। महिला ने इसकी शिकायत पिपलिया थाने में की है, जिसके बाद आरोपी पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार महिला ने शिकायत में बताया है कि 3 वर्ष पहले मेरी मुलाकात कृषि उपज मंडी में ही काम करने वाले अनिल पिता सुभाष शर्मा निवासी मुंदेड़ी से हुई। अनिल ने मुझसे शादी करने का बोला कि तू तेरे पति से तलाक ले ले, मैं तुझसे शादी करूंगा। अनिल मुझे उसके घर लेकर जाता था, और मुझसे शादी करने का बोलकर मेरे साथ गलत संबंध बनाता था। अनिल से मुझे एक लड़की शिफु 08 माह है। अब मैं अनिल से शादी करने का और मेरे साथ रहने के लिए बोलती हूँ तो अनिल मुझे डरा धमका रहा है कि तुने किसी को अपने बारे मे और बच्ची के बारे में बताया तो मै तुझे जान से खत्म कर दूंगा।

गत 14 जुलाई को भी अनिल ने मुझे उसके घर बुलाया, मैं रात के करीबन 10 बजे मेरी बच्ची को लेकर अनिल के घर मुंदेड़ी गई उसके घर पर कोई नहीं था। अनिल ने वहाँ मेरे साथ गलत काम किया। मैंने अनिल से शादी करने को कहा तो अनिल बोलने लगा कि, मैं तुझसे शादी नही करूंगा। मुझे बार-बार शादी के लिए परेशान मत कर, नहीं तो मैं तुझे और इस बच्ची को जान से खत्म कर दूंगा। मैं डर के मारे अपने घर वापस आ गई। पुलिस ने युवक के खिलाफ डीएनएस एक्ट की धारा- 64 (2) (1), 87, 351 (2) में प्रकरण दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है।

बगीचों में स्वच्छता का अभाव, टूटे हुए हैं झूले

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के बगीचों की हालत इन दिनों अच्छी नहीं है। कई बगीचों में स्वच्छता का अभाव बना हुआ है तो यहां झूले भी टूटे पड़े हुए हैं। नगर पालिका के जिम्मे इन बगीचों की देखरेख में कोताही बरती जा रही है। जबकि बगीचों के रखरखाव के लिए बजट निर्धारित है। यही नहीं नपा द्वारा यहां कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई जाती है। ऐसे में बगीचों की दुर्दशा पर लगता है कि लापरवाही लगातार जारी है।

शहर में कई बाग-बगीचे हैं, लेकिन, देखरेख के अभाव में वहां गाजर घास ऊग आई है। गंदगी पसरी पड़ी है तो वही झूले चकरिया भी टूट रही है। शाम को घुमने के लिए लोग बगीचे में जाते हैं तो वहां पर उत्पन्न अव्यवस्था के चलते वे घुम नहीं पाते हैं। बच्चे भी खेलने जाएं तो कहां जाएं, बगीचे में झूले टूटे होने से वे झूलने का भी लुत्फ नहीं उठा पा रहे हैं। शहर के एकमात्र दशपुर कुंज बगीचे का रखरखाव ही ठीक होता रहा है। वैसे यहां भी कई खामियां विद्यमान है। फालतू किस्म के लोगों का दशपुर कुंज में घुमना ज्यादा होता है। ऐसे में संभ्रांत परिवार के लोगों का बगीचे में विचरण करना परेशानीभरा होता रहा है।

महंगाई की जद से बाहर बड़े अस्पताल का भोजन, 48 रुपए में दो बार खाना, एक बार नाश्ता...

डॉक्टरों पर जांच का जिम्मा, खाद्य सुरक्षा विभाग मौन!

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल में शासन द्वारा निर्धारित दर के मुताबिक 48 रुपए में दो बार खाना और एक बार नाश्ता दिया जाता है। अब महंगाई के इस दौर में 48 रुपए में क्या दिया जा रहा होगा, यह तो भगवान ही जाने। हालांकि ड्यूटी डॉक्टर का जिम्मा होता है कि इस खाने के सर्व होने से पहले जांच करे। हालांकि स्वास्थ्य परीक्षण में स्पेशलिस्ट खाने की गुणवत्ता कैसे जांच कर सकते हैं, यह बडा सवाल है। इधर बड़े अस्पताल के ऊपर ही खाद्य एवं औषधि विभाग का कार्यालय है। विभाग द्वारा बाजार में दुकानों पर लगातार कार्रवाई कर सेंपलिंग के टॉरगेट पूरे किए जा रहे हैं। लेकिन कभी बड़े अस्पताल में जाकर खाने की गुणवत्ता का परीक्षण नहीं किया।

राशि बढ़ाने के लिए भेजा प्रस्ताव...

मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक रोगियों के भोजन और नाश्ते का बजट 200 रुपये प्रतिदिन करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने फिर राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा है। अभी मात्र 48 रुपये प्रतिदिन हर मरीज के हिसाब से शासन की ओर से अस्पतालों को दिया जा रहा है। इसमें दो बार का नाश्ता और दो बार का भोजन उपलब्ध करना होता है। इसे सौ रुपये करने का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग की ओर से शासन को छह माह पहले भेजा गया था, जिस पर वित्त विभाग ने सहमति नहीं दी थी।अब उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने नए सिरे प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए हैं। सरकार दो-दो बार गुणवत्तापूर्ण भोजन और नाश्ता महज 48 रुपये प्रतिदिन में उपलब्ध करवाने का दावा कर रही है, पर सच्चाई यह है कि नाश्ते और खाने की गुणवत्ता ठीक नहीं है।

दस साल से 48 रुपए में दे रहे खाना...

दो समय का खाना और नाश्ता दस साल से 48 रुपए में दिया जा रहा है। जबकि दस साल में महंगाई का हिसाब किताब सोने के भाव से ही लगाया जा सकता है। भोपाल के एम्स की बात करें तो यहां 150 रुपये प्रतिदिन का बजट है, जिससे गुणवत्ता बेहतर है। इस मामले में विभाग के अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों ने भी रुचि नहीं दिखाई। यही कारण है कि वर्ष 2014 के बाद से भोजन का बजट जस का तस है, जबकि महंगाई कई गुना बढ गई है। यह जरुर है कि गर्भवती महिलाओं के लिए 40 रुपये राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) से अतिरिक्त मिल रहा है। इस तरह उनका भोजन और नाश्ते पर हर दिन का बजट 88 रुपये हो गया है। उल्लेखनीय है रोगियों की प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रखने के लिए पर्याप्त पोषण तत्वों वाले भोजन की आवश्यकता होती है।

एक बार सिविल सर्जन के आदेश से रात्रि में लिया था सेम्पल...

बड़े अस्पताल में मरीजों के लिए परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता कितनी ठीक है, इसे जांच के लिए वैसे तो खाद्य सुरक्षा विभाग है, जो अस्पताल के एक कक्ष में ही मौजूद है। इस विभाग ने अस्पताल के भोजन का कभी औचक सेम्पल लिया हो, यह देखने में नहीं आया है। बता दें कि जब सिविल सर्जन डॉ. अधीर कुमार मिश्रा हुआ करते थे, तब उन्होंने एक बार रात्रि में ही अस्पताल में परोसे जाने वाले भोजन का सेम्पल लेने के लिए निर्देशित किया था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को रात्रि में आना पड़ा और सेम्पल लेना पड़ा था। इसके बाद से अभी तक सेम्पल की सच्चाई बाहर नहीं आ पाई है।

दुनिया की आबादी में बढ़ती जा रही है अधर्मियों की संख्या

उज्जैन/मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पृथ्वी पर बसे संसार के अलग-अलग हिस्सों में अनेकों देव तुल्य महात्मा ज्ञानी पैदा होते रहे हैं। सभी ने अपने विचार और ज्ञान को दुनियाई मनुष्यों में प्रसारित भी करते आए हैं। इनमें से अनेकों को संत महात्मा देवदूत का मान सम्मान मिला, राज दरबारों में धर्म सभा में उच्चतम सम्मान मिला तो कईयों के प्रमाणित विचार और ज्ञान के कारण आवाम और दनिश्वरो की आलोचना के कारण सजा ए मौत तक मिली है। मानवों का उद्धार करने वाले ईशा को सूली पर टांग दिया गया तो दार्शनिक सुकरात को तत्कालीन शासन तंत्र ने जहर पीने की सजा दी थी।

आदिकाल से विश्व के अनेक हिस्सों में अलग-अलग दार्शनिक वैज्ञानिक जन्म लेते रहे हैं ।इन्हीं में से कइयों के विचार नए अनुयायियों के साथ नए धर्म की स्थापना करते गए। इन्हें मानने वालों की संख्याएं बढती घटती रही और समय के साथ प्रतिस्पर्धा और आपसी द्वेष भी बढता गया। इसी दौरान विज्ञान भी तरक्की करता गया और एक दूसरे पंथ धर्म और राज्यों की सीमा और प्रभाव को लेकर आपसी विवाद कभी कभार युद्ध में भी बदलने लगे थे।

चन्द्रमोहन भगत

पृथ्वीपर मनुष्यों की संख्या के साथ प्रतिस्पर्धा बढने से समाज में एक दूसरे के द्वेष और विरोधाभास का मौका परस्त व्यक्ति और समूह भी फायदा उठाने लगे। धीरे-धीरे धार्मिक उन्माद बढने लगा और आपसी सद्भाव में दरारें भी बढ़ने लगी।

ऐसे ही कारणों से आज हिंदू, मुस्लिम, विदेशियों में यहूदी और फिलिस्तीन शिया, सुन्नी, क्रिश्चियन गोरों कालों में कट्टर विरोध यहां तक की हत्या तक होना कर देना आम बात होने लगी है।

शायद यही कारण है कि दुनियाई मनुष्यों में अब अपना अपना धर्म त्याग कर अधर्मी होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है । सामाजिक व्यवस्थाओं के जानकारों का मानना है कि ऐसा वे लोग कर रहे हैं जिन्होंने पंथ और धर्म की आड़ में मनुष्यों में होने वाले आपसी झगड़े, पसंद और किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। ऐसे वर्ग को मानने वाले सभी मनुष्य अपना धर्म त्याग कर अधर्मी होना सामाजिक और वैश्विक तौर पर जाहिर कर चुके हैं। भारत में इस तरह का वर्ग 2001 से सार्वजनिक स्थान पाने लगा है। जबकि अन्य देशों में पहले से ही यह वर्ग स्थापित होने लगा था।दुनिया भर की 800 करोड की जनसंख्या में 31.5 प्रतिशत क्रिश्चियन। 23.5 प्रतिशत मुस्लिम 15 प्रतिशत, हिंदू 7.5 प्रतिशत बौद्ध 5 प्रतिशत अन्य घुमक्कड और जंगलों में आम समाज से अलग-थलग रहने वाले निवासी हैं । इनमें से ही 16.3 प्रतिशत आबादी अधर्मी हो चुकी है। जनसंख्या के मान से देखें तो विश्व में क्रिश्चियन 238 करोड हैं इस्लामी 191 हिंदू 116 बौद्ध 51 करोड, घुमंतू और जंगली 43 करोड यहूदी डेढ करोड हैं। इन्हीं में से अधर्मी 119 करोड संख्या में है। राष्ट्रों के मान से कोरिया और हांगकांग में 53 प्रतिशत लोग लोगों ने अपनी धार्मिक पहचान खुद बदल ली है ताइवान में 42, जापान में 32, अमेरिका में 28, बुद्धिस्म 20, सिर्फ जापान में 17 प्रतिशत बुद्धिस्म धर्म छोड चुके हैं इसी तरह अमेरिका 20% हांगकांग में 33% कोरिया में 35% नार्वे में 30% उस में 20% अधर्मी घोषित हो चुके हैं। भारत में 1911 की जनसंख्या के आधार पर लगभग सवा दो लाख लोगों का कोई धर्म से संबंध नहीं था। 2001 में इस वर्ग को जनगणना में स्थान दिया जाने लगा था। सन 2011 की जनगणना के समय अधर्मी भारतीयों की संख्या 29 लाख थी। और नए सर्वे में यह संख्या 4. 5 करोड़ यानी तीन प्रतिशत तक पहुंच गई है। दुनिया भर के सत्ताधीशों ने पंथ और धार्मिक वातावरण का अपने हित, प्रभाव के लिए उपयोग करना ना त्याग तो धर्म व्यवस्था को नकार कर अधर्मी होने वालों की संख्या में और अधिक इजाफा होता जाएगा।

विचार-मंथन

बढ़ती आतंकी घटनाएं चिंताजनक...

आतंकवादी अब कश्मीर के साथ-साथ फिर से जम्मू क्षेत्र को अपना ठिकाना बनाने लगे हैं। पिछले करीब डेढ़ दशक के दौरान सुरक्षा बलों के आतंकवाद के खिलाफ विशेष अभियान के बाद जम्मू क्षेत्र अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहा। आतंकी खतरे के लिहाज से जम्मू को काफी हद तक सुरक्षित माना जाने लगा था। मगर पिछले दो-तीन माह से इस क्षेत्र में आतंकवादी हमले बढ़ने लगे हैं। डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन सहित चार जवानों की शहादत इसी का उदाहरण है। इस इलाके में पिछले तीन सप्ताह के भीतर सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की यह तीसरी बड़ी घटना है। आतंकी अब जम्मू में लक्षित हमलों को भी अंजाम दे रहे हैं। पिछले माह रियासी जिले में एक बस पर आतंकी हमले में नौ तीर्थयात्रियों के मारे जाने की घटना इनमें से एक है। जम्मू क्षेत्र में बढ़ती आतंकी घटनाएं सुरक्षा बलों और शासन-प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस आतंकी सक्रियता के पीछे सीमा पार बैठे आतंकी सरगनाओं की सोची-समझी चाल है। वे किसी भी सूरत में जम्मू-कश्मीर में स्थायी तौर पर अमन-चैन बहाल नहीं होने देना चाहते। डोडा जिले में मुठभेड़ की यह ताजा घटना कठुआ जिले के दूरस्थ माचेड़ी वन क्षेत्र में सेना के गश्ती दल पर आतंकी हमले के कुछ ही दिन बाद हुई है, जिसमें पांच सैनिक शहीद हो गए थे। गौरतलब है कि हाल में ज्यादातर मुठभेड़ की घटनाएं सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हुई हैं। यानी सुरक्षा बलों को क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना तो मिल जाती है, लेकिन वे किस तरह के हथियारों से लैस हैं और उनकी रणनीति क्या है, इसकी स्टीक जानकारी नहीं मिल पाती है।खुफिया जानकारियों में यह बात सामने आई है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी खुद को सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचाने के लिए अब 'संरक्षण और समेकन' की रणनीति अपना रहे हैं। यानी आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ करने के बाद शुरुआत में चुप रहते हैं और स्थानीय आबादी के साथ घुलमिल जाते हैं। जैसे ही उन्हें सीमा पार से निर्देश मिलता है, वे हमले को अंजाम देने में जुट जाते हैं। उत्तरी कश्मीर और जम्मू क्षेत्र में हाल में आतंकियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले इसका ताजा उदाहरण हैं। आम लोगों के बीच छिपे हुए आतंकवाद के इस खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को जल्द ठोस और कारगर रणनीति बनानी होगी। तकनीकी खुफिया जानकारी के साथ-साथ जमीनी स्तर पर 'मानव खुफिया' नेटवर्क भी मजबूत करने की जरूरत है। खुफिया जानकारियों में यह बात भी सामने आई है कि आतंकवादी सीमा पार से संपर्क के लिए 'अल्ट्रा सेट' फोन जैसे एन्क्रिप्टेड संचार उपकरणों का उपयोग करने लगे हैं, जिससे उनके ठिकाने और रणनीति की सटीक जानकारी हासिल कर पाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह की तकनीकी चुनौती से पार पाने के लिए भी सुरक्षा एजेंसियों को गंभीरता से विचार करना होगा। वहीं, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक का कहना है कि आतंकवादी पंजाब से लगती पाकिस्तान की सीमा से भी घुसपैठ कर जम्मू पहुंच रहे हैं। इसलिए इस इलाके में फिर से आतंकी वारदात बढ़ने लगी हैं। अगर ऐसा है तो सुरक्षा बलों के साथ-साथ पंजाब और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को सीमा पर घुसपैठ रोकने के लिए साझा रणनीति बनाने की जरूरत है, ताकि आतंकियों के तंत्र को नेस्तनाबूद किया जा सके।

अपने भीतर बैठे ज्ञानी और गुरु के साथ अभेद्य सम्बन्ध को जानना ही गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा वह दिन है, जिस दिन शिष्य अपनी सम्पूर्णता के प्रति सजग होता है। इस दिन शिष्य अपनी संपूर्णता की सजगता में गुरु और ज्ञान के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ होता है लेकिन उसकी कृतज्ञता द्वैत की नहीं होती, वह कृतज्ञता अद्वैत के प्रति होती है।

शिष्य की सम्पूर्णता का दिन है गुरु पूर्णिमा– ऐसी ही एक कहानी है। एक गुरु जी थे। उनके पास बहुत से लोग कुछ न कुछ समस्या लेकर आते रहते थे। एक बार कोई व्यक्ति उनके पास आया और उसने कहा कि मै अपनी परीक्षा में असफल हो गया और इसलिए बहुत दु:खी हूँ। तो गुरु जी ने उससे कहा कि अरे तुम बडे भाग्यशाली हो जो तुम्हारे साथ ऐसा हुआ, अब तुम और अच्छे से पढाई करोगे; फिर एक और व्यक्ति आये उन्होंने कहा कि मेरी पत्नि मुझे छोडकर चली गयी है, गुरु जी ने उन्हें भी वही उत्तर दिया कि तुम बडे भाग्यशाली हो, कम से कम अब तुम्हें इस बात का ज्ञान होगा कि स्त्रियों से कैसा व्यवहार करना चाहिए। सबसे बाद में एक शिष्य आया और उसने कहा कि गुरुदेव मैं बहुत भाग्यशाली हूँक्योंकि आप मेरे जीवन में हैं , गुरु जी ने उससे कुछ कहा नहीं बल्कि जोर से एक थप्पड लगाया, वह शिष्य आनंद से नाचने लगा। दरअसल उस शिष्य को गुरु के थप्पड से यह अनुभूति हुई कि वह और गुरु अलग नहीं हैं। वहाँ कोई द्वैत नहीं है। जैसे एक नदी एक स्थान से दूसरे स्थान तक बहती है लेकिन समुंदर अपने भीतर ही बहता रहता है। वैसे ही शिष्य के लिए गुरु पूर्णिमा का दिन, अपनी संपूर्णता के प्रति कृतज्ञता का दिन है।

शिक्षा नहीं, दीक्षा देते हैं गुरु– एक शिक्षक शिक्षा देते हैं लेकिन गुरु दीक्षा देते हैं। गुरु आपको जानकारियों से नहीं भरते बल्कि वे आपके भीतर जीवनी शक्ति जागृत करते हैं। गुरु की उपस्थिति में आपके शरीर का कण-कण जीवंत हो जाता है। उसी को दीक्षा कहते हैं। दीक्षा का अर्थ केवल जानकारी देना नहीं है, इसका अर्थ है बुद्धिमत्ता का शिखर प्रदान करना। जब तक जीवन में विवेक नहीं उतरता, सहजता नहीं पनपती और प्रेम नहीं बहता तब तक हमारा जीवन अधूरा रहता है। हमारे जीवन में विवेक, प्रज्ञा, सहजता और प्रेम तभी आता है जब जीवन में ज्ञान हो, हम अंतर्मुखी हों और हमारा मन शांत हो; वही गुरुतत्त्व है।

गुरु और जीवन को अलग नहीं किया जा सकता– हमारा जीवन ही गुरु तत्त्व है। अपने जीवन पर प्रकाश डालिए। आपने जो भी सही या गलत किया है, उन अनुभवों से जीवन ने आपको बहुत कुछ सिखाया है। यदि आप अपने जीवन से नहीं सीखेंगे, तो इसका अर्थ है कि आपके जीवन में गुरु नहीं हैं। इसीलिए अपने जीवन को देखिये और जो ज्ञान जीवन ने आपको दिया है, उसका आदर कीजिये। हमारा मन चंद्रमा से जुडा हुआ है, जब मन ज्ञान से परिपूर्ण होता है तब गुरु पूर्णिमा होती है। लेकिन जब हमारा मन, ज्ञान का आदर करना छोड देता है तब हमारे जीवन में अज्ञानता और अंधकार आता है। तब पूर्णिमा नहीं रहती, अमावस्या आ जाती है।

जो मिला है उसका आदर करने का दिन है गुरु पूर्णिमा– कई बार हम ही पूर्णता से अपना मुँह फेर लेते हैं, इच्छाओं की दौड में दौडने लगते हैं और ज्ञान का अनादर करने लगते हैं। देने वाला तो आपको दे ही रहा है, उसने आपको बहुत कुछ दिया है। आपको बहुत सारे आशीर्वाद दिए गए हैं, जब आप उन सभी का उपयोग करेंगे, तो आपको और अधिक आशीर्वाद दिया जाएगा। यदि आपको बोलना आता है, तो अपनी वाणी का उपयोग आरोप लगाने में या शिकायत करने में न करे, उसका सदुपयोग करें। यदि आप शरीर से हृष्ट-पुष्ट हैं, तो सेवा कीजिये; इस तरह से आपको जो कुछ भी मिला है, उसका उपयोग समाजसेवा के लिए करें। ईश्वर संसार में ही रहते हैं, तो संसार की सेवा करना ही ईश्वर की पूजा करना है। ज्ञान का सम्मान करने से आपके जीवन में उन्नति होती है। जब आप इसके प्रति सजग हो जाते हैं, तो सहज ही आपमें कृतज्ञता भक्ति और प्रेम का भाव जागृत होने लगता है। जाग के देखिये, हमारे जीवन में कितनी मधुरता, निष्ठा और प्रेम है। हमारे भीतर जो होता है, हम उसी को अपने चारों ओर भी पाने लगते हैं और फिर वह हमसे अन्य दूसरे लोगों को मिलने लग जाता है। इस धरती पर जितने संत-महात्मा, पीर-पैगंबर हुए हैं; हो रहे हैं और आगे होने वाले हैं और उसके साथ ही आपके अपने भीतर जो ज्ञानी और जो बुद्ध, जो गुरु बैठे हैं; उन सभी के साथ अपने अभेद्य संबंध को जानना ही, गुरु पूर्णिमा का सन्देश है।

–गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

गुरु पूर्णिमा पर विशेष.....

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भगवा ध्वज को ही अपना गुरु क्यों माना?

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। किसी धार्मिक पंथ समुदाय जो अन्यान्य धार्मिक संगठनों में किसी व्यक्ति को ही आदर्श मानकर उसकी गुरु के रूप में पूजा की जाती हैं, किंतु वही व्यक्ति कालांतर में कभी-कभी पथभ्रष्ट हो जाता है, ऐसे सैकडों उदाहरण हम देख रहे हैं कि ऐसे अनेक गुरु या तो जेल में हैं तथा अनेकों पर व्यभिचार के मुकदमे चल रहे हैं और कुछ जमानत पर है। कुछ गुरु ऐसे हैं जिनके चाल चलन प्रकट नहीं हुए किंतु जनसामान्य में उनके चरित्र पर उंगलियां उठाई जाती है?

व्यक्ति में दोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसीलिए विश्वामित्र जैसे उग्र तपस्वी जो गायत्री मंत्र के महान दृष्ट थे वे अपने तपो मार्ग से इंद्र की अप्सरा मेनका के कारण भटक गए थे, तथा उनका पुण्य क्षीण हो गया था। उक्त सभी का अध्ययन करने के पश्चात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ केशवराव बलिराम हेडगेवार ने किसी व्यक्ति को गुरु के स्थान पर मान्यता नहीं देकर भगवा ध्वज को गुरु के रूप में मानने की परंपरा का निर्माण किया और यही कारण है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे विशाल संगठन ने गुरु के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार किया तथा प्रतिदिन उसके समक्ष भारत माता की रक्षा का संकल्प दोहराने के लिए भारत में ही नहीं विदेश में भी शाखाओं में स्वयंसेवकों द्वारा प्रार्थना की जाती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व्यक्ति पूजा में विश्वास नहीं रखता क्योंकि यदि किसी व्यक्ति के नेतृत्व में जब संगठन काम करता है तब कालांतर में वही व्यक्ति पथभ्रष्ट होकर राष्ट्र को नुकसान पहुंचा सकता है लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि संघ में व्यक्ति का महत्व नहीं है किंतु यदि व्यक्ति अपने सिद्धांतों, ईमानदारी, चरित्र एवं आचरण की सभ्यता को जब तक सुरक्षित रखकर राष्ट्र भाव से कार्य करता है तब तक उसका नेतृत्व स्वीकार्य है किंतु यदि वह उक्त चरित्र को सुरक्षित नहीं रख पाता है और मानवीय कल्याण को छोडकर अपने ही स्वार्थ में रत रहकर राष्ट्र भाव से विरक्त हो समाज विरोधी कार्य करता है तो ऐसे व्यक्ति को, संघ छोडने में देरी भी नहीं करता क्योंकि संघ के लिए ऐसे व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि, यह भारत राष्ट्र व्यक्ति से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है।

प्रत्येक गुरु पूर्णिमा पर संघ के द्वारा भगवा ध्वज की पूजा कर उसके समक्ष स्वयंसेवक अपनी समर्पण राशि, बंद लिफाफे में समर्पित करता है जिसका वह गुणगान नहीं करता और ना ही संघ करता है। यह राशि छोटी से लेकर बहुत बडी भी हो सकती है किंतु इसकी चर्चा करने से व्यक्ति के मन में ष्गुरु को दक्षिणाष् देने का अहंकार पैदा हो सकता है, इसलिए समर्पण करने वाला स्वयंसेवक और संघ इसकी चर्चा खुलकर समाज में नहीं करता तथा इसी राशि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वर्ष भर संचालन होता है जिसमें हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं, संघ प्रचारकों के प्रवास खर्च एवं संघ कार्यालयों का मेंटेनेंस होता है। यह समर्पण राशि संघ की भाषा में गुरु दक्षिणा कहलाती है तथा इसी राशि से संघ का संचालन होता है इसके अतिरिक्त अन्य कोई स्रोत का उपयोग संघ नहीं करता। इस पवित्र भगवा ध्वज में अपनी पूर्व परंपराओं को प्रकट करने की शक्ति है इसको नष्टकरने के लिए ना तो काल सक्षम है और ना ही यमदंड इस प्रकार के चिरंजीवी, उदयीमान, बाल सूर्य का तेज धारण करने वाले, प्राची के मुख कि अरुण ज्योति के समान इस पवित्र त्यागमय भगवा ध्वज को संघ ने अपना गुरु माना है। यद्यपि गुरु को भारतवर्ष में भगवान का दर्जा दिया गया है तथापि वह गुरु उस अव्यक्त परमात्मा की बराबरी नहीं कर सकता इसलिए भगवा ध्वज को ही ईश्वरीय स्वरूप में गुरु माना गया है।

सिख परंपरा में भी गुरु गोविंद सिंह जी ने किसी व्यक्ति को गुरु के स्थान पर नहीं रख कर गुरु ग्रंथ साहब को ही गुरु के स्थान पर प्रतिष्ठित किया है, क्योंकि हाड मांस का पुतला जो मनुष्य के रूप में हमारे सामने हैं उसमें कभी भी दोष उत्पन्न हो सकते हैं और यदि दोष उत्पन्न होते हैं तो उसके प्रति सबकी श्रद्धा खंडित होती है एवं गुरु शब्द की अवमानना हो जाती है। एक मनुष्य के जीवन- काल में माता उसकी प्रथम गुरु होती है तथा लौकिक गुरु जो उसे स्कूल में पढाते हैं तथा उसे जहां से भी शिक्षा प्राप्त होती है उसको गुरु मानने की परंपराएं भारत में प्रचलित है किंतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने परमपिता परमेश्वर की अभिव्यक्ति के रूप में भगवा ध्वज, जिसके नेतृत्व में अनेक धर्म युद्ध लड कर धर्म की रक्षा की थी, उसके प्रति श्रद्धा भाव रखकर अपने व्यक्तिगत कर्तव्य जो नीति सम्मत हो एवं राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वाह करने के संकल्प को दोहराने के लिए राष्ट्रीय संघ सेवक संघ ने भगवा ध्वज को अपना गुरु माना है।

–रमेशचन्द्र चन्द्रे, मंदसौर

***** 21 जुलाई गुरू पूर्णिमा पर विशेष *****

स्वामी श्री ब्रम्हानंद जी महाराज की चमत्कारी और कुछ रोचक जानकारियां

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हिन्दुस्थान एक धर्मपरायण देश है यहाँ पर नित्य नये चमत्कार देखने को मिलते हैं। देश के चारों कोनों में ऐसी कई विभूतियाँ विराजमान हैं, हिन्दुस्थान एक तपोभूमि हैं, यहाँ पर कई देवी - देवता अवतार लेने को लालायित रहते हैं। जगतगुरु आद्य शंकराचार्य ने देश के चारों दिशाओं में चार पीठ स्थापित कर सनातन धर्म के सभी शास्त्रों ज्ञाताओं को शंकराचार्यों की नियुक्ति की गई। पूर्व में पुरी पीठ के शंकराचार्य, पश्चिम में द्वारकापीठ शंकराचार्य, उत्तर में शारदापीठ शंकराचार्य, दक्षिण में श्रृंगेरी पीठ शंकराचार्य विराजमान हैं। जो कि यह परम्परागत आज भी चली आ रही हैं। इसी प्रकार से मन्दसौर के इतिहास काल के समय प्राचीनकाल में राजा यशोधर्मन की धार्मिक नगरी दशपुर कहलाई, बाद में धीरे - धीरे इसका नाम मन्दसौर पड गया। मन्दसौर में भी चारों दिशाओं में चार आश्रम हैं, पूर्व में गुप्तानंद आश्रम में स्वामी गुप्तानंदजी महाराज, पश्चिम में ब्रम्हानंद आश्रम में स्वामी ब्रम्हानंद महाराज, उत्तर में ऋषियाआनंद आश्रम में स्वामी ऋषियानंदजी महाराज, दक्षिण में ग्राम मेनपुरिया स्थित चैतन्य आश्रम में स्वामी चैतन्य देवजी महाराज विराजमान हैं। इन आश्रमों के संतों के कई चमत्कारी किस्से भरे पडे हुए है।

इन्हीं आश्रमों में से एक है ब्रम्हानंद आश्रम में श्री - श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ब्रम्हानंदजी महाराज विराजमान हैं। यह आश्रम मन्दसौर (मध्यप्रदेश) के विश्व प्रसिद्ध भगवान अष्टमुखी श्री पशुपतिनाथ महादेव मन्दिर के निकट शिवना नदी के तट पर स्थित है। स्वामी श्री ब्रम्हानंदजी महाराज एक सिद्ध तपस्वी संत है जिसके बारे में मन्दसौर निवासी उनके पुराने भक्त बुजुर्ग लोग बताते हैं कि स्वामी ब्रम्हानंदजी एक पहुँचे हुए संत थे और मिती वैशाख सुदी पुर्णिमा सन् 1965 में उन्होंने जिन्दा समाधी ली है। समाधी ठीक पीछे की ओर उनकी शिष्या काली माई की समाधी है। जब स्वामीजी समाधी ले रहे थे तब वहाँ पर उपस्थित कई भक्तजनों की आँखें नम हो गई थीं और समाधी पर 10 दिनों तक भजन - कीर्तन चलते रहें। पुराने भक्तजन स्वामीजी के बारे में विस्तार से चमत्कारी किस्सा बताने लगते हैं जो कि एक प्रकार का रोचक तथा आश्चर्यजनक लगता हैं।

1.एक बार स्वामी ब्रम्हानंदजी महाराज मन्दसौर शहर के जीवागंज स्थित श्री गोवर्धननाथ मंदिर में पहुँचे स्वामीजी के एक हाथ में शराब की बोतल और दूसरे हांथ में मांस का एक टुकडा था। मन्दिर के पुजारी व पारख समाज के लोग स्वामीजी का विरोध करने लगे और कहने लगे आपने मन्दिर को अपवित्र कर दिया है आप यहाँ से चले जाइयें ? तक स्वामीजी ने उन लोगों से कहा मुझे श्री गोवर्धननाथ ने बुलाया है जो मैं स्वयं आश्रम से चलकर यहाँ आया हूँ। दर्शन करने के लिये, फिर भी मन्दिर के पुजारी व वहाँ के लोगों द्वारा स्वामीजी को भला - बुरा कहने लगे और स्वामीजी का अपमान करने लगे। इनसे रूष्ठ होकर स्वामीजी ने एक हाथ से शराब की बोतल को एक दिवार पर फैंक दी जो एक इत्र की खुशबू में परिवर्तन हो गई और महकने लगी और दूसरे हाथ से मांस का टुकडा फैंका जो गुलाब के फूल बन गये। वहां पुजारी व लोग यह देखकर दंग रह गये, तब स्वामीजी ने कहा कि गोवर्धननाथ को मुझसे मिलना है तो मेरे आश्रम पर खुद आयेंगे और यह कहकर स्वामीजी मन्दिर से चले गये। मन्दिर के लोग बताते हैं कि उस दीवार से पूरे वर्ष तक इत्र की खुशबू से महकती रहीं। संध्या के समय श्री गोवर्धननाथ मन्दिर के भक्तजन मन्दिर में एकत्रित हुए दर्शन करने हेतु तब मन्दिर के पुजारी ने गोवर्धननाथ मन्दिर के कपाट खोले तो मन्दिर में गोवर्धननाथ की मूर्ति नहीं थीं। यह देखकर भक्तजन नाराज होकर बोले हम लोगों ने स्वामीजी ब्रम्हानंदजी महाराज का अपमान किया है यह उन्हीं का चमत्कार है चलो चलकर उनसे माफी मांगते हैं। तब मन्दिर से करीब पुजारी व भक्तजन 50 - 60 लोग स्वामीजी के आश्रम रवाना हुए माफी मांगने लिये, भक्तजनों ने स्वामीजी के आश्रम पर आकर देखा तो वहाँ पर श्री गोवर्धननाथ की मूर्ति विराजमान है, यह देखकर भक्तजन आश्चर्य चकित रह गये। सभी भक्तजन स्वामी ब्रम्हानंदजी के सामने नत-मस्तक होकर माफी मांगने लगे और कहने लगे कि हमसे बहुत बडी भूल हुई हमें माफ कर दो और श्री गोवर्धननाथ की मूर्ति को ले जाने की मांग स्वामीजी से करने लगे,। तब स्वामीजी ब्रम्हानंद बडे दयालु भी हैं उन्हें सभी भक्तजनों को माफ कर दिया और कहा कि मूर्ति आपके मन्दिर में आ जायेंगी। दूसरे दिन सुबह को श्री गोवर्धननाथ मन्दिर के कपाट खोले गये मूर्ति उस स्थान पर विराजमान है और सभी भक्तों को दर्शन दियें।

2. एक बार आश्रम पर चोर घूस आये और स्वामीजी पर हमला करने लगे तो स्वामीजी ने जोर से आवाज लगाई भैंरों !!! जो कि आश्रम पर चार - पांच कुत्ते रहते थे, उनको स्वामीजी भैंरों कहकर पुकारते थे। तब चोरों पर सभी कुत्ते टूट पडे और उन चोरों को लहू - लुहान कर दिया और सभी चोर अंधे हो गये। तब 7-8 चोर स्वामीजी के सामने गिडगिडाने लगे माफी मांगते हुए कहने लगे कि स्वामीजी हमें माफ कर दो ? तब स्वामीजी ने भैंरों से कहा शांत हो जाओ और सभी कुत्ते स्वामीजी के पास आकर बैठ गये। और उन चोरों की आँखों की रोशनी फिर आ गई, स्वामीजी ने उन चोरों को माफ कर दिया। और वह सभी चोरों ने स्वामीजी के सामने चोरी नहीं करने की प्रतिज्ञा ली, चोरी की आदत छोड़कर आश्रम पर ही स्वामीजी की सेवा करने लगे और वहीं पर रहने लगे।

3. ब्रम्हानंद आश्रम के ठीक शिवना नदी के उस पार कुछ छीपा जाति के मुस्लिमों घर हैं औरे कुछ हिन्दुओं के घरों की बस्ती है। उन्हीं में से एक मुस्लिम घर का युवक आश्रम पर आकर स्वामीजी से विनती करने लगा कि स्वामीजी मुझे आपका शिष्य बना लो और और गुरू मंत्र देकर मुझ पर कृपा करों ? तब स्वामीजी ने युवक से पूछा कि तू कौन से समाज से हैं ? युवक ने कहा कि मैं मुस्लिम समाज से हूँ। तब स्वामीजी ने कहा कि आश्रम पर आने वाला कोई भी व्यक्ति खाली नहीं जाता है, मैं तुझे तेरे मजहब का ही मंत्र देता हूँ - बिस्मिल्ला हिरहिमानीर्रहिम यह मंत्र 108 की 11 मालायें का जाप पश्चिम दिशा में बैठकर करना रोजाना नहाकर सुबह। वह युवक स्वामीजी से हाथ जोड़कर मंत्र लेकर चला गया और रोज 11 मालायें की मंत्र का जाप करने लगा, यह मंत्र का जाप करते हुए 14 वर्ष बित गये और प्रतिदिन आश्रम पर जाकर स्वामीजी का आशीर्वाद लेता था। एक दिन वह युवक रोज की तरह आश्रम पर स्वामीजी के दर्शन हेतु घर से निकला तो देखा शिवना नदी में बाढ आ गई, तो युवक ने इस पार खडा होकर स्वामीजी को जोर से आवाज लगाई - स्वामीजी नदी में बाढ आ गई है मैं आपसे मिलने कैसे आऊँ? तब स्वामीजी ने कहा कि मैंने तुझे वह मंत्र दिया था उसी मंत्र को जाप करते हुए आजा। युवक गुरूजी की दिया मंत्रों का जाप करते हुए नदी मैं उतरकर आश्रम पर स्वामीजी के पास आ गया और वह युवक बाढ में नहीं डूबा। ऋषि मुनी कहते हैं कि इंसान मंत्र - तप - जप करने से कभी व्यर्थ नहीं जाते हैं उनमें बहुत बडी शक्ति रहती हैं।

4. इसी प्रकार से शिवना नदी के उस पार से आश्रम पर जाने के लिये स्वामीजी रवाना हुए तब शिवना नदी में बाढ आ गई थीं। वहाँ के निवासियों ने स्वामीजी को नहीं जाने का आग्रह करने लगे, तब स्वामीजी ने कहा कि प्रभु की इच्छा है तो मैं जाऊँगा और स्वामी जी शिवना नदी में उतरकर जाने लगे तो वह ऐसे जा रहे थे जैसे उनके पैर सडक पर चलते हैं की तरह ही चल रहे थें। यह देखकर सभी भक्तजन स्वामीजी का जयकारा लगाने लगे और स्वामीजी नदी के उस पार आश्रम पर पहुँच गये।

5. एक बार आश्रम पर कोई उत्सव मनाने के लिये हलवाइयों द्वारा प्रसाद बना रहे थे तो उस प्रसाद में कुछ देशी घी कम पड गया। तब कुछ भक्तजन स्वामीजी के पास आकर कहने लगे कि स्वामीजी प्रसाद के लिये देशी कम पड गया है क्या करें ? तब स्वामीजी ने भक्तजनों से कहा कि शिवना नदी से डिब्बा भर लाओ और अपना काम होने के बाद उतना ही घी शिवना नदी में डाल देना। भक्तजन जब डिब्बा लेकर गये और कहने लगे कि स्वामीजी का आदेश है इसलिए हम डिब्बा भरकर शिवना मैय्या से लेजा रहे हैं और वह डिब्बा ले जाकर कढाई में डालने लगे तो देशी घी बन गया।

6. एक बाद मन्दसौर निवासी कुछ भक्तजन हरिद्वार पहुँचे तो देखा कि स्वामी ब्रम्हानंदजी महाराज गंगा नदी में स्नान कर रहे हैं। स्नान के पश्चात स्वामीजी ने उन भक्तजनों को पहचान लिया और आशीर्वाद दिया और उसी दिन भक्तजन हरिद्वार से मन्दसौर के लिये प्रस्थान किया और दूसरे दिन भक्तजन आश्रम पर जाकर सूचना देने कि स्वामीजी हमें हरिद्वार में मिले थे और आश्रम जाने के लिये अपने घर से निकले। तब भक्तजनों ने आश्रम पर आकर देखा कि स्वामीजी आश्रम पर समाधीलीन में होकर बैठे हैं। यह देखकर स्वामीजी के भक्तजनों को अचम्बा हुआ कि कल तो स्वामीजी को हरिद्वार में देखा था और अचानक यहाँ कैसे ? तब स्वामीजी ने अपनी समाधी से जाग्रत हुए तो सामने भक्तजन खडे थे, तब स्वामीजी ने मुस्कराते हुए कहा कि तुम सब पूछना चाहते हैं कि मैं यहाँ कैसे ? कल तो हरिद्वार में देखा था। यह सुनकर भक्तजन हक्का - बक्का रह गये और ब्रम्हानंद स्वामीजी के चरणों में साक्षात् दण्डवत प्रणाम करते हुए क्षमा मांगने लगे। तब स्वामीजी ने कहा कि यह सब प्रभु की इच्छा है और उन सभी भक्तजनों को आशीर्वाद दिया।

7. मन्दसौर शहर से 225 किलोमीटर दूर उज्जैन महाकाल की नगरी में हर 12 वर्ष में एक सिंहस्थ (कुम्भ) का मेला लगता है। एक बार स्वामी ब्रम्हानंदजी महाराज अपने शिष्यों के साथ उज्जैन सिंहस्थ मेल में गये, तो मेले में एक केम्प पर एक साध्वी काली माई एक कढाई में कुछ पारा (धातु) को भट्टी पर पिघाल रही थी। साध्वी काली माई जोर-जोर से आवाज लगा रही थी कि जो इस पारा को (धातु) पी जावेगा उसको मैं अपना गुरू बनाऊँगी ? इतने में स्वामी ब्रम्हानंदजी का उस रास्ते से निकलना हुआ तो साध्वी जोर-जोर से आवाज लगाने लगी कि इस कढाई का पारा जो भी पी जावेगा उसको मैं गुरू बनाऊँगी ? स्वामी ब्रम्हानंदजी महाराज उस साध्वी काली माई की आवाज सुनकर रूक गये, तब स्वामी जी उस साध्वी की चुनौती को स्वीकार करते हुए अपने दोनों हाथों से कढाई को उठाकर एक सांस में उस पारा (धातु) को पी गये। और तुरंत वहाँ से मंदसौर के लिये प्रस्थान कर गये। तब स्वामी जी मंदसौर अपने आश्रम पर आ गये तो, स्वामी जी के पीछे-पीछे साध्वी काली माई स्वामी जी के आश्रम पर आ गई। तो स्वामीजी ने उस साध्वी काली माई कहा कि आ गई जगदम्बा ? काली माई ने जवाब दिया कि हाँ ! गुरूजी मैं आ गई। तब स्वामी जी ने आश्रम के शिष्यों को बुलाकर कहा कि इस साध्वी की मेरी कुटिया से 60 फीट की दूरी पर इसकी कुटिया बना दो और जो भी सामान की जरूरत हो उसकी कुटिया में रख दो। और हाँ, जगदम्बा मेरी अनुमति के बगैर मुझसे मिलना मत ? जी हाँ, गुरूजी आपके आज्ञा का पालन करूंगी। इस तरह साध्वी काली माई आश्रम पर रहने लगी। काली माई की इच्छा थी कि मेरी समाधी गुरूजी के पास ही बने, जो कि आज भी स्वामी ब्रम्हानद महाराज की समाधी के पीछे तरह साध्वी काली माई की समाधी है।

8. मंदसौर से 10 किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा में राजस्थान की सीमा लगती है। देश आजाद नहीं हुआ था, तब राजस्थान में राजे- रजवाडे-जागीदार हुआ करते थे। तब राजस्थान के प्रतापगढ जिले अरनोद, तहसील के जागीदार को अंग्रेज हुकूमत ने अरनोद से भगा दिया। जो फिर जागीरदार अपने सेवादारों के साथ मंदसौर में स्वामीजी के आश्रम से कुछ ही दूरी पर अपने केम्प लगाकर रहे थे। एक दिन शाम के समय केम्प से कुछ धुंआ निकलते देखकर स्वामी जी ने शिष्यों को बुलाकर पूछा कि यह धुंआ कैसे निकल रहा है ? तब शिष्यों ने गुरू जी से कहा कि पडोसी राज्य राजस्थान के अरनोद के जागीरदर हैं और अंग्रेजों ने इनकी हुकूमत छीन ली है। यह केम्प लगाकर रह रहे हैं। तब स्वामीजी ने कहा जाओ- उस जागीदार को मेरे पास बुलाकर लाओं ? शिष्यों ने वहां जाकर जागीरदार से कहा कि आपको स्वामीजी ने बुलाया है ? तब शिष्यों के साथ जागीरदार गुरूजी के चरणों में नत मस्तक होकर हाजिर हुआ और स्वामीजी को विस्तार पूर्वक पूरी घटना बताई। तब स्वामीजी ने उसी जागीरदार से कहा कि आप लोग सुबह 5 बजे के करीब अरनोद के लिए प्रस्थान कीजिये ? और आपको अपना राज्य वापस मिल जावेगा। जब अरनोद में जागीदार अपने सेवादारों के साथ पहुँचे तो अंग्रेजों ने उस जागीदार को सम्मान के साथ जागीरदार सौंप दी। ऐसे स्वामी ब्रम्हानंदजी महाराज के कई छोटे-मोटे चमत्कारी किस्से भरे पडे हैं।

21 जुलाई 2024 को गुरू पूर्णिमा पूरे देश भर में भक्तजन आश्रमों मठों में जाकर अपने - अपने गुरूजी के चरणों में शीश नमाकर आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। इसी तारतम्य में मंदसौर में भी स्वामी ब्रम्हानद आश्रम के ट्रस्टी गुजरात राज्य के सूरत शहर से आये श्री मुकेश भाई पटेल (महात्मा) के सान्निध्य में उनके साथ और भी सूरत शहर से आये भक्तजनों के साथ बडे.हर्षोल्लास व बडी धूमधाम से आश्रम पर गुरू पूर्णिमा मनाई जावेगी। तथा श्री ब्रम्हानंद स्वामीजी के चरणों में अपना शीश नमाकर गुरूजी का आशीर्वाद ग्रहण करेंगे।

–संकलनकर्ता–भेरूलाल राठौर

जिला धार्मिक उत्सव समिति की बैठक गुराड़िया बालाजी मंदिर परिसर पर संपन्न

इंद्र देवता को प्रसन्न करने हेतु हनुमान चालीसा का पाठ, भजन-प्रार्थना कर दाल बाटी चूरमा का भोग लगाया

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला धार्मिक उत्सव समिति मंदसौर शहर में लगातार धार्मिक एवं सांस्कृतिक रूप से सक्रिय होकर निरंतर सेवा क्षेत्र के काम कर रही है। आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला धार्मिक उत्सव समिति की महत्वपूर्ण बैठक गुराड़िया बालाजी मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में भगवान इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए भजन कीर्तन, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ का आयोजन हुआ। भगवान इन्द्रदेव और बालाजी को धूप दीप से आरती कर दाल बाटी चूरमा का भोग लगाया गया। जिला धार्मिक उत्सव समिति की बैठक में आगामी वर्ष की कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता पूज्य अनीता दीदी, वरिष्ठ समाजसेवी मदनलाल राठौड एवं घनश्याम बटवाल ने की। इस अवसर पर जिला धार्मिक उत्सव समिति के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, संरक्षक विनोद मेहता, संयोजक वरदीचंद कुमावत मंचासीन हुए।

बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई एवं समस्त सदस्यों द्वारा अपने-अपने सुझाव दिए गए। बैठक में मंदसौर शहर में जितने भी सनातनी जीर्ण-शीर्ण देवस्थान है उनका जीर्णोद्धार के लिए शासन प्रशासन का सहयोग प्राप्त कर जनमानस में देव स्थान के प्रति जागृति लाने हेतु अभियान चलाये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि मंदसौर शहर में सनातन धर्म की पुस्तकों का धार्मिक ग्रंथ पुस्तकालय स्थापित किया जाना चाहिए जिस पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही वर्ष में एक बार एक विशाल धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किया जाना भी तय किया गया। बैठक में तय किया गया कि ऐसी कन्याएं जिनका विवाह करने हेतु माता-पिता सक्षम नहीं है या ऐसी बेटियां जिनके परिवार में कोई सदस्य नहीं है उनका निशुल्क विवाह करने का भी निर्णय लिया गया। पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी जिला धार्मिक उत्सव समिति ने शासन प्रशासन के सहयोग से हरे-भरे वृक्षों से सूनी धरती माँ के विशाल भू-भाग पर एक पौधा माँ के नाम पौधारोपण अभियान को लेकर हनुमान वाटिका में फलदार तथा औषधीय पौधारोपण किया गया। स्वागत उद्बोधन जिला धार्मिक उत्सव समिति के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता द्वारा दिया गया। जिला धार्मिक उत्सव समिति की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी संरक्षक विनोद मेहता द्वारा दी गई। बैठक का संचालन संरक्षक विनय दुबेला द्वारा किया गया। बैठक में समाजसेवी अनीता दीदी, पंडित विष्णु शर्मा, गुरुचरण बग्गा, मदनलाल राठौर, घनश्याम बटवाल, डॉ रविंद्र पांडे, बी एस सिसोदिया, बंशीलाल टाक, रविंद्र कुमार भट्ट, राजाराम तंवर, अजय सोनी, सुरेश भावसार आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

उपस्थित रहे- अनीता दीदी, विनोद मेहता, गुरुचरण बग्गा, डॉ. घनश्याम बटवाल, मदनलाल राठौर, वर्दीचंद कुमावत, विनय दुबेला, बाबूलाल लोहार, संतोष जैन, पं. विष्णु शर्मा, वीरेंद्र कुमार भट्ट, हरिराव जाधव, राजाराम तंवर, प्रकाशचंद्र कल्याणी, सूरजमल गर्ग, गोविंद नागदा, कमलेश नागदा, दिलीप कुमार चौधरी, सुनील कुमार पोरवाल, दिलीप जैन, अशोक कुमार पालीवाल, रविंद्र पांडे, मदनलाल मालवीय, नटवर पारीख, प्रदीप कुमार गुप्ता, पिंकेश कुमावत, विष्णु सोलंकी, गोविंद सुरा, प्रदीप सोनी, अजय सोनी, घनश्याम सोनी, रमेशचंद्र डीडवानिया, ओमप्रकाश सोनी, शत्रुंजय सोनी, निरंजन भारद्वाज, बंसीलाल टांक, बी.एस. सिसोदिया, सुभाष गुप्ता, रमेशचंद्र चंद्रे, महेश कुमार वैष्णव, ब्रजेश आर्य, दौलतराम पाटीदार, राजेश चाहूजा, मुकेश आर्य, सुरेश भावसार, महेश सोलंकी, राकेश भाटी, हरीश सालवी, विजय सुराणा, राजेंद्र कुमार चाष्ट, नितिन सोनी, रूपनारायण मोदी, कन्हैयालाल सोनगरा, पिंकेश व्यास आदि उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हुई मंदसौर नगर पालिका

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने नपा अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर को अवॉर्ड से सम्मानित किया

नईदिल्ली/मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रविवार को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (स्वनिधि योजना) में देश भर में उल्लेखनीय प्रगति करने वाले नगरीय निकायों को पुरस्कृत किया गया। मंदसौर नगर पालिका परिषद को 1 से 3 लाख जनसंख्या वाले निकायों में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्पार्क पुरस्कार प्राप्त हुआ। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने मंदसौर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर को यह अवार्ड प्रदान किया।

इंडिया हेबिटेट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने दीनदयाल अंत्योदय योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना में सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन करने पर यह अवार्ड मंदसौर नगर पालिका को प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका परिषद मंदसौर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में राशि 2 करोड और पीएम स्वनिधि योजना में 10 करोड से अधिक ऋण राशि का वितरण पथ विक्रेताओं को किया गया

है। नगर पालिका परिषद मंदसौर की अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि मंदसौर नगर पालिका परिषद रेहडी, पटरी पर छोटा व्यापार संचालित करने वालों एवं गरीब लोगों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। कोरोना काल से अब तक इस वर्ग को लाभान्वित करने एवं सहायता दिलाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किए गए हैं। मंदसौर शहर के रेहडी पटरी व्यवसाईयों ने भी शासन की योजनाओं का सक्रियता से लाभ लिया है। इससे उनके जीवन स्तर में और व्यापार में भी प्रगति हुई है। श्रीमती गुर्जर ने गरीबों के कल्याण की एक अभिनव योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। साथ ही आपने मंदसौर नगर पालिका परिषद को सम्मानित किए जाने पर नगर पालिका के सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारियों एवं नगर की गणमान्य जनता को बधाई दी है।

आर्य समाज में आयोजित आयुर्वेद एवं एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर 10 दिन और बढ़ाया

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर में आयुर्वेद व एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न रोगों से पीडित लगभग 100 मरीजों ने आयुर्वेद एवं एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से अपना उपचार करवाकर स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर में वैद्य ओमप्रकाश देवासी एवं थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया एम.डी. (एक्यू.) ने अपनी सेवाएं दी। आर्य समाज द्वारा शिविर लोगों की मांग पर 10 दिन और आगे बढा दिया गया है जो कि 28 जुलाई 2024 तक चलेगा जिसमें सुबह 9 बजे से दोपहर 1 तक रोजाना एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति द्वारा इलाज किया जाएगा ज्यादा से ज्यादा पीडित व्यक्ति इस शिविर का लाभ उठाऐं। मंदसौर एवं आसपास के क्षेत्रवासियों इस एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर के संबंध में अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन के लिये मो.नं. 8003708162 पर सम्पर्क कर सकते है।

श्री निर्भय भवन रामद्वारा में मनेगी गुरु पूर्णिमा

अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज व्यासपीठ पर विराजेंगे

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय का चातुर्मास देवशयनी एकादशी से प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम परम्परा के अनुसार गुरू पूर्णिमा पर्व 21 जुलाई 2024 रविवार को श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जाएगा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री निर्भय भवन रामटेकरी रामद्वारा पर वयोवृद्ध अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज व्यासपीठ पर विराजमान होंगे।

प्रातः व्यासपीठ पूजा आरती के साथ दिनभर स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज के शिष्य एवं अनुयायी दिल्ली, इंदौर, राजस्थान से चित्तौड, प्रतापगढ, मंदसौर, नीमच, संयुक्त जिले से श्रद्धालुजन पधारेंगे व स्वामीजी का आशीर्वाद लेंगे। निर्भय भवन रामटेकरी रामद्वारा की प्रबंध संचालिका ज्योतिषज्ञ दीदी लाडकुंवर ने श्रद्धालुजन स्वामीजी के दर्शन आशीर्वाद का लाभ ले। उपरोक्त जानकारी देते हुए सीनियर जनर्लिस्ट पं. अशोक त्रिपाठी ने बताया कि रामस्नेही भक्त चाचा श्री सूरजमल अग्रवाल, समाजसेवी जगदीश चौधरी, भगवानदास विजयवर्गीय, जगदीश काबरा, सोहनलाल कोठारी एडवोकेट, शुभम उपाध्याय, गौरव अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल आदि ने रामद्वारा निर्भय भवन रामटेकरी पर पहुंचकर परम पूज्य बापूजी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

आईटीआई डूंगलावदा में रोजगार मेला 25 को

नीमच, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला रोजगार कार्यालय नीमच व्दारा 25 जुलाई 2024 को प्रात: 11 बजे से दोपहर एक बजे तक शासकीय आई.टी.आई. नीमच(डूंगलावदा) में रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में डिक्सन टेक्नालॉजी लिमिटेड, सुबोस लिमिटेड व्दारा 10वीं पास, 12वीं पास, आई.टी.आई.(सभी ट्रेड), डिप्लोमा अनुभवहीन या अनुभवी 18 से 30 वर्ष आयु के युवाओं को आमंत्रित किया गया है। रोजगार मेले में पुरूष, महिला कोई भी भाग ले सकते है। अपने साथ एक अदयतन बायोडाटा की प्रति, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, सभी शैक्षणिक दस्तावेज, पैन कार्ड, आधार कार्ड, टीकाकरण प्रमाण पत्र(यदि उपलब्ध हो) लेकर उपस्थित हो। अधिक जानकारी के लिए श्री दिनेश कुमार के मो.न.8882449006 पर सम्पर्क कर सकते है।

दुकानदारों को सफाई में सुधार हेतु दिया नोटिस

गरोठ, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद गरोठ श्री वीरेंद्र कुमार मेहता के निर्देशानुसार खडावदा रोड पर स्थित मटन मार्केट में निकाय के प्रभारी दरोगा श्री रामपाल नरवाल द्वारा सहायक सफाई कर्मचारियों के साथ दुकानदारों को सफाई में सुधार हेतु नोटिस दिया गया। एवं मटन मार्केट में गंदगी नही करने की समझाईश दी गई। साथ ही कचरा गाडी में कचरा व्यवस्थित रूप में देने के लिए निर्देशित किया गया।

भारतीय संस्कृति में हम सभी प्रकृति पूजक हैं-सांसद

भादवामाता में हरित पथ के लिए पौधारोपण सम्पन्न, सांसद, विधायकगणों और जनप्रतिनिधियों ने किया पौधारोपण

नीमच, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय संस्कृ ति में हम सभी प्रकृति प्रेमी है। प्रकृति के पूजक है। पेडों की पूजा करते है। हम सभी पांच-पांच फलदार पौधे लगाये, उन्हें संरक्षित करें और बढा करें। एक पेड मॉ के नाम तहत लगाए गये सभी पौधो की जियो टेगिंग करें। यह बात सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने शुक्रवार को भादवामाता में हरित भादवामाता पथ के लिए आयोजित वृहद पौधारोपण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही।

इस मौके पर विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यपक्ष श्री सज्जनसिह चौहान, कलेक्टर श्री दिनेश जैन, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, कमाण्डेन्टर सीआरपीएफ श्री वेदप्रकाश, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा बाई धनगर भी मंचासीन थे। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि भारतीय परम्परा में मॉ हमेशा अपने साथ रहती है। सभी मॉ के नाम एक पौधा अवश्य लगाए, उसे बडा करें। यदि सभी देशवासी एक-एक पौधा लगाकर बढा करेंगे, तो 140 करोड पेड तैयार हो जाएंगे। विधायक श्री दिलीपसिह परिहार ने कहा, कि प्रकृति ने हम सभी को काफी कुछ दिया है, हम भी प्रकृति को कुछ अवश्य दे और पौध अवश्यक लगाये। उन्होने कहा, कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश में 5.50 करोड पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसमें हम अपना भी योगदान दे रहे है। नीमच जिला भी पौधारोपण में पीछे नहीं है। हर पंचायत में पौधारोपण किया जा रहा है। विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने कहा कि वृक्ष हमें जीवन देते है, पेडों का औषधीय महत्व भी है। भादवामाता हरित पथ के तहत पौधारोपण से भविष्य में यहाँ आने वाले श्रृद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। उन्होने प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भावी पीढी को अवगत कराने की अपील करते हुए कहा, कि सभी पौधा लगाए और उसे बडा करने का संकल्प ले। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान ने कहा, कि पर्यावरण संरक्षण निरंतर चलने वाला कार्य है। हम सभी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहभागी बने। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने 5.50 करोड पौधे लगाने का संकल्प लिया है। नीमच शहर में 10 हजार से अधिक चम्पा के पौधे लगाये गये है भादवामाता हरित पथ पर 1200 पौधे लगाए जा रहे है। सभी ग्राम पंचायतों में भी 200-200 पौधे लगाए जा रहे है। कलेक्टर ने किसानों से भी 10-10 फलदार पौधे लगाने का आव्हान किया।

पौधारोपण में इतिहास रचा:- हरित भादवामाता पथ के तहत जवासा चौराहे से भादवामाता तक सडक के दोनो ओर 1200 पौधे सभी स्वयंसेवी संस्थाओं, पंचायतों के सहयोग से लगाए गये है। भादवामाता पंचायत व्दारा 400 ट्रीगार्ड व जवासा पंचायत व्दारा 800 ट्रीगार्ड उपलब्ध करवाये गये है।

सांसद, विधायकगण, जि.प.अध्यक्ष ने किया पौधारोपण:- भादवामाता हरित पथ के तहत सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एसपी श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, कमाण्डेंड श्री वेदप्रकाश, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने सेक्टर 1 में सीआरपीएफ जवानों, स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ पौधारापेण किया।

हरित भादवामाता पथ 13 सेक्टरों में पौधारोपण संस्थाओं ने पौधो को बड़ा करने की जिम्मेदारी ली- हरित भादवामाता पथ के तहत जवासा से भादवामाता तक की सडक के दोनों ओर वृहद पौधारापण कर 1200 पौधे लगाए गये है। विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, पर्यावरण प्रेमी, संस्थाओं और शासकीय संस्थाओं ने एक-एक सेक्टर में पौधा रोपण कर उन्हें संरक्षित कर बड़ा करने की जिम्मेदारी ली है। सेक्टर एक सी.आर.पी.एफ.नीमच, सेक्टर दो जिला पुलिस नीमच, सेक्टर तीन एन.एस.एस.विद्यार्थियों, सेक्टर चार स्थानीय भादवामाता के समाजजनों, सेक्टंर पांच जन अभियान परिषद, सेक्टर 6 एन.आर.एल.एम., सेक्टर 7 से 11 तक एसआईएस प्रशिक्षण केंद्र जवासा नीमच, सेक्टर 12 शासकीय स्कूल जवासा एवं सेक्टर 13 में पौधारोपण कर उन पौधों को संरक्षित देखभाल कर उन्हें बड़ा करने की जिम्मेदारी स्थाानीय समाजजनों जवासा व्दारा ली गई।

प्रारंभ में अतिथियों ने मॉ सरस्वाती एवं महामाया से भादवामाता के चित्र पर पूजन अर्चन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरपंच श्रीमती मिठ्ठूबाई नवलकृष्ण सुरावत, श्रीमती रीना सेन, श्री जितेन्द्र माली, श्री महेश गुर्जर, उप सरपंच श्री जगदीश चौहान, श्री महिपाल, श्री प्रकाश नागदा, श्री महेन्द्रा गुर्जर, श्री मथुरालाल आदि ने अतिथियों को तुलसी का पौधा भेटकर, शाल ओढाकर व साफा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजेश पाटीदार ने किया और अंत में जनपद सीईओ श्री राजेन्द्र पालनपुरे ने आभार माना। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, जनपद सदस्य श्री रतनलाल मालावत, पूर्व जि.प. सदस्य श्री अशोक खीची, सांसद प्रतिनिधि श्री महेश गुर्जर, सरपंच श्रीमती मिठ्ठूबाई, नवलकृष्ण सुरावत, सरपंच श्रीमती रीना सेन, श्री जितेन्द्र माली, श्री हेमंत हरित, श्री मोहनसिह राणावत, ब्रह्माकुमार, श्री सुरेन्द्र जैन सहित जनप्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमी, संकल्प मित्र, संस्था के प्रतिनिधि, खण्डेलवाल समाज, नगर समस्या ग्रुप, एवं सुझाव भी सी.आर.पी.एफ. जवान, एन.सी.सी. स्काउड गाईड के छात्र-छात्राएं एवं बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विद्यार्थियों का हुआ सम्मान, कॅरियर ऑप्शन के बारे में बताया

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वात्सल्य पब्लिक स्कूल और एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एमिटी अचीवर्स अवार्ड 2024 का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी प्रतिधियों ने विश्वविद्यालय में चलने वाले विभिन्न करियर ऑरियन्टेड कोर्सेज के अलावा वैल्यू एडेड कोर्सेज के साथ-साथ आर्किटेक्चर, बॉयोटेक्नोलॉजी, फूड सांइस, माइक्रोबॉयोलॉजी, डिजायन, ट्रेवल एंड टूरिज्म, फॉर्मेसी, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट, मॉस कम्यूनिकेशन, एप्लाइड सांइस, फाइन ऑर्ट, फैशन, लॉ, साइकोलॉजी, फिजियोथैरेपी, लिबरल ऑर्टस के बारे में और उनकी संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। सेशन के दौरान चीफ गेस्ट के रूप में प्रोफेसर (डॉ.) एस.पी. पवार मौजूद थे। वात्सलय पब्लिक के प्राचार्य ने अपने विचार रखते हुए सेशन को ज्ञानवर्द्धक बताया और कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य में अपने प्रोग्राम चुनने में सहायता मिलेगी। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के द्वारा विभिन्न विषयों जिनमें विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय में होने वाले कोर्सेज एवं विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। सेशन के दौरान अवार्ड सेरेमनी का भी आयोजन किया गया जिसमें 12वीं बोर्ड में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले शहर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। एमिटी यूनिवर्सिटी जयपुर के प्रतिनिधि तरूण वैरागी और विजय कुमार शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों के लिए यह बहुत सुनहरा अवसर था जो एक ही स्थान पर विश्वविद्यालय के द्वारा पढाये जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रम से संबंधित संपूर्ण जानकारी दी गई।

केंद्रीय मंत्री चौहान को पूर्व विधायक सिसौदिया का पत्र...

अफीम किसानों को प्राकृतिक आपदा के समय राहत दिए जाने की मांग

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने पत्र लिखा है। पत्र में आपने लाइसेंसी पद्धति से की जाने वाली अफीम खेती में प्राकृतिक आपदा के समय किसानों को होने वाली परेशानी से अवगत करवाया है।

श्री सिसोदिया ने पत्र में लिखा कि नारकोटिक्स विभाग के माध्यम से भारत सरकार की देखरेख में उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में रबी के मौसम में अफीम की फसल पैदा की जाती है। प्राकृतिक आपदा, शीत लहर, ओलावृष्टि तथा तेज हवा के चलते अफीम की फसल नष्ट होने पर किसानों को राजस्व पुस्तिका अधिनियम आरबीसी 6/4 के अंतर्गत न तो राहत राशि (मुआवजा) मिलता है और ना ही किसानो की इस फसल को बीमा कंपनी शामिल करती है, जबकि बैंक और सहकारिता की सोसायटी के माध्यम से किसान को रबी की फसल में जो कर्ज मिलता है, उसमे अन्य फसलो के साथ-साथ किसान लिए गए कर्ज से खेत को हांकने, जोतने, सिंचाई करने, कृषि दवाई आदि का उपयोग प्राप्त ऋण की राशि में से करता है। पत्र में श्री सिसोदिया ने अनुरोध किया है कि प्रदेश में आपने मुख्यमंत्री के दायित्व पर रहते हुए अनेक नवाचार और किसानों के हित में कई बडे उल्लेखनीय काम किए हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में अफीम किसानों को भी फसल बीमा या नुकसान की भरपाई राहत राशि (मुआवजा) दिया जाने का निर्णय करें।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	57	2450	2601
उडद	1	5190	5190
सोयाबीन	6500	4000	4500
गैहु	3500	2550	3141
चना	250	5800	6651
मसुर	125	5618	6351
धनिया	300	5000	7100
लहसुन	12100	7000	22000
मैथी	860	4800	6464
अलसी	1100	56000	6060
सरसो	536	4800	5420
तारामीरा	6	4360	4360
इसबगोल	162	10260	13410
प्याज	7500	1250	2800
कलोंजी	50	8501	18920
डॉलर	26	7000	11701
तिल्ली	206	10341	12350
मटरसुखी	7	5401	6693
असालीया	57	9300	10901

दिनांक 20 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

*मिथुन राशि वाले जातक बहुत ही बुद्धिमान, विचारों मे डूबे रहने वाले तथा आकर्षक होते है लेकिन अस्थिर बुद्धि वाले होते हैं, एक फैसले पर स्थिर नहीं हो पाते हैं इनके अधिकतर कार्य दिन के उत्तरार्द्ध में सम्पन्न होते है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

शहर में अपना खौफ दिखाने के लिए तीन लोगों की हत्या करने और आरोपी की मदद करने के मामले में...

पुलिसकर्मी समेत 7 आरोपियों को उम्र कैद

रतलाम, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर में अपना खौफ दिखाने के लिए करीब पौने आठ वर्ष पहले राजीव नगर मुक्तिधाम के सामने हुई दो भाइयों सहित तीन युवकों की हत्या के बहुचर्चित मामले में न्यायालय ने अभियुक्त अंकित उर्फ जटा, राहुल उर्फ ताई, अंकित राठौर, सुमेरसिंह उर्फ नाना, मनोज उर्फ नेपाल, गोविंदा उर्फ नरेंद्र व उज्जैन जिले के खाचरौद थाने पर पदस्थ तत्कालीन आरक्षक कुलदीप को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनमें से तीन अभियुक्तों अंकित उर्फ जटा, राहुल उर्फ ताई व गोविंदा को तीहरे आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है। फैसला अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के विशेष न्यायालय (न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर) ने सुनाया।

अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी विजयकुमार पारस ने बताया कि 27 वर्षीय दौलत पुत्र खेमचंद्र चावड़ा निवासी राजीवनगर, उसका छोटा भाई 24 वर्षीय आनंद, साथी 25 वर्षीय धर्मेश राठौर उर्फ कालू उर्फ अंडा पुत्र रतनलाल राठौर निवासी इंद्रलोक, फरियादी धर्मेंद्र चावड़ा व दुर्गेश 7 नवंबर 2026 की रात करीब 10.30 बजे मुक्तिधाम के सामने स्थित मंदिर के पास बैठकर सिगरेट पी रहे थे। तभी अभियुक्त अंकित उर्फ जटा, राहुल उर्फ ताई दो अन्य साथियों के साथ दो बाइकों से पहुंचकर साथ गाली-गलोच करते हुए उनसे कहा था कि यहां कैसे बैठे हो, बड़े तीस मारखां बनते हो। आनंद ने गाली-गलोच करने से मना किया तो अभियुक्त राहुल ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी थी। इसी बीच राहुल के साथी ने आनंद ने पकड़ लिया था तथा अंकित उर्फ जटा ने आनंद पर चाकू से वार किए थे। दौलत चावड़ा बीच-बचाव करने गया तो उस पर भी चाकू से वार किए गए थे। धर्मेश राठौर व दुर्गेश को अभियुक्तगण मारने के दौड़े तो वे वहां से भागे। तभी चारों अभियुक्तों ने पकड़कर धर्मेश के साथ मारपीट की थी। चाकू के वार व मारपीट से दौलत चावड़ा, आनंद व धर्मेश गंभीर रूप से घायल हो गए थे तथा अभियुक्तगण वहां से बाइकों पर सवार होकर भाग गए थे। घायलों को जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित किया था। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने धर्मेंद्र चावड़ा की रिपोर्ट पर अंकित, राहुल व उनके साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान पेश किया था। प्रकरण में शासन की तरफ से पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी गोविंदप्रसाद घाटिया, अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक विजयकुमार पारस व तत्कालीन विशेष लोक अभियोजक नीरज सक्सेना ने की।

ट्रेन से जाते समय किया था गिरफ्तार–पुलिस ने एक सप्ताह बाद जयपुर-इंदौर इंटरसिटी एक्सप्रेस से कहीं जाते समय अभियुक्त अंकित उर्फ जटा पुत्र राजेश सोलंकी निवासी सज्जन मिल रोड, राहुल उर्फ ताई पुत्र रमेशचंद्र, अंकित राठौर पुत्र मनोहरलाल राठौर, सुमेरसिंह उर्फ नाना पुत्र लालसिंह, गोविंदा उर्फ नरेंद्र पुत्र बहादुर सिंह व आक्षक कुलदीप पुत्र ओमप्रकाश पांचों निवासी जवाहर नगर तथा मनोज उर्फ नेपाल पुत्र सत्यनायारण निवासी काला पत्थर उज्जैन को नागदा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उन्होंने बताया था कि वे घटना के बाद फोरलेन पर सालाखेड़ी के आगे पहुंचे थे। कुलदीप उन्हें कार में बैठाकर काला पत्थर क्षेत्र उज्जैन में अपने रिश्तेदार मनोज उर्फ नेपाल पुत्र सत्यानारायण के घर ले गया था। अभियुक्तों में एक नाबालिग लड़का भी शामिल था। उसे 10 फरवरी 2023 को बाल न्यायालय द्वारा तिहरे आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया जा चुका है।

किसे क्या सजा दी–अभियुक्त गोविंदा उर्फ नरेंद्र, राहुल उर्फ ताई व अंकित उर्फ जटा को भादंवि की धारा 302 (तीन शीर्ष में) सहपठित धारा 34 के तहत प्रत्येक शीर्ष के लिए आजीवन कारावास व पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना। धारा 120 ख में तीनों को आजीवन कारावास व पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना। धारा 323 सहपठित धारा 34 में छह-छह माह का कारावास एक-एक हजार रुपये का जुर्माना। कुलदीप चावंड व मनोज उर्फ नेपाल को भादंवि की धारा 120 ख में आजीवन कारावास व पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना तथा धारा 212 में चार-चार वर्ष का सश्रम कारावास व दो-दो हजार रुपये का जुर्माना। सुमेरसिंह व अंकित राठौर को धारा 120 ख में आजीवन कारावास व पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना।

सभी सजा साथ चलेगी–कुलदीप व मनोज उर्फ नेपाल को को धारा 120 ख में आजावीन कारासाव व 5 हजार रुपये धारा 212 में चार वर्ष, व दो हजार रुपए सुमेरसिंह व अंकित को 120 ख में आजीवन कारावास व पांच हजार रुपये सभी सजा साथ चलेगी।

मध्यप्रदेश को विभिन्न श्रेणियों में मिले पुरस्कार, प्रदेश हुआ गौरवान्वित-मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश को 'स्पार्क अवार्ड सेरेमनी' में मिले 11 पुरस्कार, राज्य को 4 और अन्य निकायों को मिले 7 अवार्ड

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को नई दिल्ली में 'उत्कृष्टता की ओर बढते कदम' कार्यक्रम में सिस्टमेटिक प्रोग्रेसिव एनेलेटिकल रियलटाईम रैंकिंग अवार्ड (स्पार्क) सेरेमनी में विभिन्न श्रेणियों में 11 पुरस्कार मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने नगरीय विकास एवं आवास विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को मिली उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी प्रदेश के विकास में अनवरत समन्वित प्रयास से इसी तरह की उपलब्धियाँ हासिल करेंगे। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू से नई दिल्ली में मध्यप्रदेश की ओर से प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मण्डलोई ने पुरस्कार प्राप्त किये।

'उत्कृष्टता की ओर बढते कदम' कार्यक्रम में मध्यप्रदेश को कुल 11 अवार्ड प्राप्त हुए। इसमें से 4 अवार्ड मध्यप्रदेश राज्य को संपूर्ण भारत में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये और 7 अन्य निकायों को विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए हैं। मध्यप्रदेश को पी.एम. स्वनिधि योजना में बेस्ट परफार्मिंग स्टेट (लोन परफार्मर्स-लार्ज स्टेट) और बेस्ट परफार्मिंग स्टेट (इनोवेशन एण्ड बेस्ट प्रेक्टिसेस) दोनों ही श्रेणियों में प्रथम स्थान मिला है। इसी प्रकार डे-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना में मध्यप्रदेश दो श्रेणियों में प्रथम स्थान पर है। इनमें 'बेस्ट परफार्मिंग स्टेट अंडर बेस्ट इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी' और 'बेस्ट सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर' श्रेणी शामिल है। मध्यप्रदेश ने पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना में देशभर में 11 लाख 95 हजार से अधिक ऋण वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में पीएम स्ट्रीट वेण्डर योजना में 8 लाख 38 हजार स्ट्रीट वेंडर डिजिटली लेन-देन कर रहे हैं। इन स्ट्रीट वेंडरों को करीब 21 करोड़ रुपये की केश राशि बैंक से प्राप्त हुई है। पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना से वर्ष 2021 से 1 लाख 99 हजार ऋण प्रकरणों में राशि वितरित की गई वर्ष 2022 में 1 लाख 70 हजार ऋण प्रकरणों में राशि वितरित की गई। वर्ष 2023 में 4 लाख 84 हजार ऋण प्रकरण में राशि वितरित की गई। वर्तमान में मध्यप्रदेश ने कुल लक्ष्य के विरुद्ध 101.26 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश में इस वर्ष सर्वाधिक प्रकरणों की स्वीकृति कर राशि का वितरण किया गया है। पीएम स्व-निधि योजना के तहत 10, 20 एवं 50 हजार रूपये के ऋण चरण वार पथ विक्रेताओं को स्वीकृत किये गये हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के द्वारा किये गये बेहतरीन कार्य के लिये सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिये मिलने वाले यह पुरस्कार सभी का मनोबल ऊँचा करेंगे और बेहतर कार्य करने के लिये प्रेरित करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के नगरीय निकायों को भी विभिन्न श्रेणियों में 7 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत उज्जैन नगर निगम को 1 से 10 लाख जनसंख्या वाले स्थानीय निकायों में 'ऋण प्रदर्शन' श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। सारणी नगर पालिका परिषद को इसी श्रेणी में 1 लाख आबादी से कम जनसंख्या वाले नगरों में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। खरगौन नगर पालिका को 1 से 10 लाख जनसंख्या वाले स्थानीय निकायों में 'स्वनिधि से समृद्धि में उपलब्धि' श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। डे-एनयूएलएम योजना के अंतर्गत जबलपुर को 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी में सम्मानित किया गया है। डे-एनयूएलएम योजना के क्रियान्वयन के लिए सीधी को द्वितीय पुरस्कार, मंदसौर एवं इटारसी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। पीएम स्व-निधि योजना से लाभान्वित 2 स्ट्रीट पथ विक्रेताओं और 2 सहायता समूहों को भी सम्मानित किया गया।

अंचल में बारिश की कामना को लेकर मेंढक-मेंढकी का रविवार को होगा विवाह

बनौरी निकलेगी, पंडित जी कराएंगे विवाह, भोजन प्रसादी भी होगी

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस अंचल में अच्छी बारिश नहीं होने से किसान, व्यापारी, आमजन सभी चिंतित है। जिसको लेकर रामटेकरी मित्र मण्डल द्वारा रविवार, 21 जुलाई को पुरानी मान्यता अनुसार मेंढक-मेंढकी का विवाह करवाकर भगवान इन्द्रदेव को प्रसन्न किया जाएगा।

रामटेकरी मित्र मण्डल के सदस्यों ने बताया कि 21 जुलाई को सायं 5.30 बजे रामटेकरी सुदामा नगर स्थित बड़े बालाजी से बैण्ड बाजों के साथ मेंढक की बनौरी निकाली जाएगी जो रामटेकरी के मुख्य मार्गो से होते हुए तेलिया तालाब में राजा यशोधर्मन की प्रतीमा के पास पहुंचेगी जहां पर विद्वान पंडितों द्वारा मेंढक-मेंढकी का विवाह सम्पन्न कराया जाएगा। विवाह के पश्चात् विवाह में शामिल धर्मप्रेमियों के लिये भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। पूर्व में भी मंदसौर में अल्प बारिश होने पर मेंढक-मेंढकी का विवाह कराया गया था

जिससे इन्द्रदेव ने प्रसन्न होकर प्रचुर मात्रा में बारिश की थी। मान्यता है कि मेंढक और मेंढकी का विवाह कराने से क्षेत्र में अच्छी बारिश होती है। बारिश होने से सभी वर्गों के चेहरे खिल उठते है। रामटेकरी मित्र मण्डल ने सभी धर्म प्रेमियों व नागरिकों से इन्द्रदेव को मनाने हेतु मेंढक मेंढकी के विवाह में सम्मिलित होने का आह्वान किया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत देवडूंगरी स्थल पर एक हजार पौधे लगाए गए

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस एक पेड़ मां के नाम अभियान पूरे प्रदेश के साथ-साथ जिले में लगातार चल रहा है। इस क्रम में आज देवडूंगरी स्थल पर राज्यसभा सांसद, कलेक्टर, पूर्व विधायक एवं अन्य सभी जनप्रतिनिधियों ने 1 हजार पौधे लगाए। पौधारोपण कार्यक्रम में आम, बरगद, पीपल, नीम, शीशम, जामुन इत्यादि तरह-तरह के फलदार पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संतुलित होगा। इस तरह पौधे लगाने का कार्यक्रम पूरे जिले में लगातार चल रहा है। सभी स्थानों पर तरह-तरह के पौधे लगाए जा रहा है। पौधे लगाने के साथ-साथ इन पौधों को गर्मी की दिनों में पर्याप्त पानी मिले, इसकी भी उचित व्यवस्था की जा रही है। इस दौरान राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, स्कूल के बच्चे, पत्रकार मौजूद थे।

शिव सृष्टि के उद्धारक भी हैं और संहारक भी

श्री चैतन्य आश्रम में चल रही है शिव महापुराण कथा, आज होगी विश्रांति

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष में श्री शिव महापुराण की कथा का आयोजन चल रहा है।युवाचार्य श्री मणिमहेश चेतन जी महाराज प्रतिदिन दोपहर 12 से सायंकाल 4:00 बजे तक कथा प्रवचन कर रहे हैं। कथा के छठवें दिवस श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव ने सृष्टि के कल्याण के लिए विष का सेवन किया। शिव कल्याण के देवता हैं। वे उद्धारक भी हैं और संहारक भी हैं। शिवपुत्र कार्तिकेय और गणेश जी द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के प्रसंग की विवेचना करते हुए स्वामी जी ने कहा कि दोनों ही शिव पुत्रों ने सृष्टिके समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया। भगवान गणेश जी ने जहां अपने माता-पिता की ही परिक्रमा कर उन्हें संपूर्ण सृष्टिका नियामक माना तो कार्तिकेय ने पृथ्वी का भ्रमण करते हुए अपने देवत्व के दायित्व का निर्वहन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं श्री चैतन्य आश्रम न्यास के सदस्य ब्रजेश जोशी ने कहा कि आज यदि देश और दुनिया में मंदसौर का नाम भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के कारण प्रसिद्ध हो रहा है तो उसके मूल में यह चैतन्य आश्रम ही है। ब्रह्मलीन स्वामी श्री प्रत्यक्षानंद जी महाराज ने इसी आश्रम में भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर के रूपरेखा तैयार की और मंदसौर नगर वासियों को मंदिर निर्माण के लिए प्रेरित किया। पशुपतिनाथ लोक के निर्माण के बाद निश्चित ही मंदसौर की प्रसिद्धि में और अभिवृद्धि होगी और ब्रह्म लीन स्वामी श्री प्रत्यक्षानंद जी महाराज और चैतन्य आश्रम का नाम भी इस प्रसिद्धि के साथ सदा आलोकित होता रहेगा। इस अवसर पर श्री चैतन्य आश्रम लोकन्यास के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा सदस्य भैरुलाल पटेल और अन्य श्रद्धालुओं ने पोथी पूजन कर व्यास सम्मान किया। महाआरती भी हुई। आज 20 जुलाई को कथा विश्रांति होगी। 21 जुलाई को श्री चैतन्य आश्रम मैनपुरिया में गुरु पूर्णिमा महोत्सव भव्यता से मनाया जाएगा। यह जानकारी न्यास के सदस्य प्रद्युम्न शर्मा ने दी।

हफ्ता वसूली, सेलून दुकान संचालक को पीटा, 2 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस हफ्ता वसूली नही देने पर सेलून दुकान संचालक के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। नलवा (कुकडेश्वर) निवासी विकास पिता मांगीलाल लोहार ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि वर्तमान में कयामपुर अस्पताल में कम्प्यूटर आपरेटर पद पद पदस्थ हूं, दो माह पहले कयामपुर बस स्टेण्ड पर सेलून की दुकान खोली तो गांव के दीपक पिता सत्यनारायण माली व आशीष पिता गणपत गिर गोस्वामी आए, दोनों बोले हम यहां के दादा है, यहां दुकान क्यों खोली ? दुकान चलाना है तो 2000 रुपए सप्ताह के देने पड़ेंगे। दोनों ने गाली-गलौज कर मारपीट की। जिससे चोंटे आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

बच्चे अनुपस्थित तो नहीं मिलेगी फीस

स्कूलों से मांगी उपस्थिति और फीस इंस्ट्रक्चर, मामला आरटीआई के तहत दाखिले का

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस आरटीई के तहत दाखिला पाने वाले बच्चे अगर गैर हाजिर हुए तो स्कूलों को फीस से हाथ धोना पड़ सकता है। मंदसौर सहित प्रदेश के निजी स्कूलों में करीब एक लाख बच्चों ने आरटीई के तहत दाखिला लिया है। इन बच्चों की फीस सरकार जमा करेगी। फीस देने से पहले राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्कूलों से बच्चों की उपस्थिति और फीस स्ट्रक्चर की जानकारी मांगी है। बच्चों की कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति होना अनिवार्य है।

अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में 25 फीसदी सीटों पर गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों का निशुल्क दाखिला हुआ है। स्कूलों से इन बच्चों की जानकारी मांगी जा रही है ताकि फीस का भुगतान किया जा सके। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह ने इसके लिए निर्देश जारी किए। इसमें बताया गया कि स्कूलों को अपना बैंक विवरण देना है। आरटीई के तहत दर्ज बच्चों की संख्या, कक्षावार फीस, स्कूल का फीस स्ट्रक्चर बताना होगा। रिकार्ड की फाइल पोर्टल पर अपलोड करना है।

बच्चों की उपस्थिति का रिकॉर्ड मांगा–आरटीई के तहत जिन बच्चों को प्रवेश दिया उनकी उपस्थिति का रिकॉर्ड भी राज्य शिक्षा केन्द्र ने मांगा है। इसमें उपस्थिति अगर 75 प्रतिशत से कम हुई तो फीस रोक दी जाएगी। यानि दाखिले के साथ ही बच्चों को कक्षा में लाने के लिए भी निजी स्कूलों को प्रयास करने होंगे।

20 अगस्त तक खुला रहेगा पोर्टल–फीस प्रतिपूर्ति के लिए 16 जुलाई से प्रक्रिया हुई है। निजी स्कूलों को पोर्टल पर यह ब्योरा देना है। यह पोर्टल 20 अगस्त तक खुला रहेगा।

30 साल बाद पत्रकारों का प्रांतीय सम्मेलन नीमच में कल

नीमच/मनासा, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मालवा की माँ वैष्णोदेवी का आँगन, काला सोना उतपन्न करने वाली धरा व नीमच की लाल माटी पर मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई नीमच के विनम्र प्रयासों से 21 जुलाई 2024, रविवार को टाउन हाल, गांधी वाटिका के पास (दशहरा मैदान) नीमच में पत्रकारो का ऐतिहासिक प्रांतीय सम्मेलन रखा जा रहा है। नीमच जिले में विगत वर्ष 1994 में प्रांतीय स्तर का आयोजन हुआ था। मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई नीमच के जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन, कार्यक्रम संयोजक कैलाश राठौर व जिला महासचिव चैनसिंह सोलंकी ने प्रेस नोट जारी कर बताया है कि 30 वर्ष बाद यह सुअवसर हम सभी के बिच में पुन: आया है। इस प्रांतीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष सलभ भदौरिया व संगठन के कई पदाधिकारी मंचासीन होंगे। साथ ही मध्य प्रदेश के सभी जिलो से संघठन के सदस्य व पत्रकार साथी कार्यक्रम में उपस्थित होने आ रहे है। इस आयोजन से पूर्व 20 जुलाई 2024 की संध्या पर मुसाफिर म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भव्य सांस्कृतिक म्यूजिक कार्यक्रम रखा गया है। दिनांक 21 जुलाई 2024, रविवार को सुबह 10 बजे प्रांतीय सम्मेलन रहेगा जिसमे देश प्रदेश की कई नामचीन हस्तिया, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण शिरकत करेंगे। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई नीमच द्वारा आयोजन को लेकर समस्त तैयारिया की जा चुकी है। प्रदेश भर से पत्रकार साथी ट्रेन, बस, निजी वाहन आदि आवागमन के साधनो से पहुंचेंगे जिनके लिए ठहरने व भोजन की व्यवस्था भी जिला इकाई द्वारा की गई है। प्रदेश भर से पधारने वाले पत्रकार साथीगण व नीमच जिले के समस्त पत्रकार साथियो से जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन व कार्यक्रम संयोजक कैलाश राठौर, चैनसिंह सोलंकी, कपिलसिंह चौहान, संजय व्यास भरत जाट, राकेश सोन, हेमंत शर्मा आदि ने अपील की है कि कार्यक्रम आपका अपना है। कार्यक्रम में समय पर पधारकर व कार्यक्रम में हर सम्भव सहयोग प्रदान करते हुए कार्यक्रम को सफल व ऐतिहासिक बनाने में अपनी सहभागिता निभाए।

शिक्षक संहिता के प्रसिद्ध ज्ञाता श्री रामकृष्ण नवाल को जन्मदिवस पर इष्टमित्रों ने दी मंगल शुभकामनाएं

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अपने ज़माने की क्षेत्र में शिक्षा जगत की प्रसिद्ध हस्ती, शिक्षक जगत एवं शिक्षक नेताओं में मशहूर शख्सियतों में से एक, कर्मचारी एवं शिक्षक संहिता विधि-विधान के ज्ञाता एवं हमदर्द सहयोगी स्वभाव के धनी सेवानिवृत्त शिक्षक श्री रामकृष्ण नवाल का 86वां जन्मदिवस उनके अभिनन्दन नगर मंदसौर स्थित निवास पर उनके स्नेहीजनों एवं मित्रों ने धूमधाम से मनाया। नपा स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर अजीजुल्लाह खान ने बताया कि श्री नवाल शिक्षा जगत की उन शख्सियतों में से है जिन्हें शिक्षक संहिता का पूरी जानकारी सहित शिक्षक वर्ग अपनी हर समस्या के लिये उनके पास जाते रहे है और वह विधि अनुसार उसका समाधान भी निकाल देते है। श्री नवाल हमेशा से ही शिक्षा, शिक्षक व विद्यार्थियों के हित के लिये खड़े रहे है। उनका आशीर्वाद हमेशा सभी पर बना रहे इन्हीं मंगल कामनाओं के साथ उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में स्नेहीजन भी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने 10 पंचायत सचिवों की एक-एक वेतनवृद्धि रोकी

नीमच, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद व्दारा जिले की 10 ग्राम पंचायतों के सचिवों व्दाकरा श्रमिकों के नियोजन की प्रगति न्यूपन होने एवं पंचायत के कार्यो में सचिवों एवं रोजगार सहायकों व्दारा रूची नहीं लेने और विभागीय प्रगति में सुधार नहीं होने के कारण उनकी एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है। साथ ही रोजगार सहायकों को पांच-पांच दिवस का वेतन कटोत्रा करने के दण्ड से दण्डिरत किया है। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद व्दादरा ग्राम पंचायत दडोली, दौलतपुरा जाट, भगोरी, देथल, सांकरियाखेडी, चुकनी, पिपलोन, बोरखेडी पानेडी के पंचायत सचिवों की एक-एक वेतनवृद्धि रोकने और रोजगार सहायकों का पांच-पांच दिवस का वेतन कटोत्रा करने के दण्डी से दण्डित किया गया है। साथ ही ग्राम पंचायत दामोदरपुरा व कोटडी इस्त मुरार के पंचायत सचिव की भी एक-एक वेतनवृद्धि रोकी गई है।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, पीएचई एवं जल निगम के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे। बैठक के दौरान निर्देश दिए गए कि पीएचई एवं जल निगम पेयजल के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण किया जाए। अगर कोई ठेकेदार गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। पेयजल से संबंधित जितने भी कार्य हैं। प्रमाणीकरण के पश्चात ग्राम पंचायत को सुपुर्द करें। बैठक के दौरान विधानसभा वार पेयजल के कार्यों की समीक्षा की गई। जितने भी कार्य जो लंबे समय से अधूरे है। ऐसे कार्य को जल्द पूर्ण करें। पीएचई एवं जल निगम दोनों मिलकर समन्वय के साथ कार्यों को दुरुस्त करें। पेयजल संबंधी जितने भी कार्य किए जा रहे हैं, उन कार्यों की निगरानी की जाए। पेयजल से एक भी गांव वंचित नहीं रहना चाहिए। पाइपलाइन डालने के दौरान जिन गांवों में सीसी रोड एवं नालिया खराब हुई है। उनको तुरंत दुरुस्त करें। कार्यों के भौतिक सत्यापन भी किया जाए।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 24 को

नीमच, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन कार्यक्रम अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डी.डब्यू जे .एस.एम.) की बैठक 24 जुलाई 2024 को आयोजित की गई है। बैठक में निष्पादित कार्यो, वर्तमान में प्रगतिरत कार्यो एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्यो की विस्तृत समीक्षा की जावेगी। उक्त, बैठक में सभी सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

चयन के बाद भी भर्ती का इंतजार, शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूल

मंदसौर, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के मिडिल स्कूलों में शिक्षकों की कमी के बीच बच्चों की पढाई कराई जा रही है। यह स्थिति प्रदेश के कई स्कूलों की है। जहां शिक्षकों की कमी से स्कूल जूझ रहे हैं। डेढ साल पहले इनकी भर्ती के लिए परीक्षा हो चुकी है लेकिन अब तक स्कूलों में इन्हें नियुक्ति नहीं मिल पाई। विभाग की लापरवाही और कानूनी विवाद के बीच मामला अटका हुआ है। इस प्रक्रिया के रुकने का फिर से संकट गहराने लगा है। सरकारी स्कूलों में वर्ग एक के शिक्षकों की भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल ने परीक्षा कराई। उच्च माध्यमिक शिक्षकों के रूप में विषयवार शिक्षकों का चयन होना था। मंडल ने परीक्षा कराने के बाद चयनित उम्मीदवारों की सूची लोक शिक्षण संचालनालय को सौंप को दी। इस प्रक्रिया को करीब डेढ साल पूरे हो चुके हैं लेकिन अब तक शिक्षक स्कूलों में नहीं पहुंचे। सत्यापन के लिए हाल में प्रक्रिया शुरू हुई है। इस प्रक्रिया के तहत गणित, अंग्रेजी, संस्कृत और भाषा सहित विषयवार शिक्षकों की भर्ती होना है। सत्यापन जिला स्तर पर 22 से 24 जुलाई तक होना है। इसमें दस्तावेज अपलोड करने के साथ विकल्प चयन भी है।

अतिथि शिक्षक पूरी करेंगे कमी–शिक्षकों की कमी को अतिथि शिक्षकों की भर्ती कर पूरा किया जाएगा। इनकी भर्ती के लिए पैनल तैयार किए जाने हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने इसके लिए जिला स्तर पर निर्देश जारी किए थे। इस पैनल में स्कूल प्राचार्य सहित अन्य अधिकारी और शिक्षक शामिल होंगे।

फिर अटक सकता है प्रकरण–डेढ साल बाद प्रक्रिया शुरू तो हुई, लेकिन मामला फिर से अटक सकता है। मामले में फिर से कानूनी अड़चन आ रही है। प्रकरण में कुछ अभ्यर्थियों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी।

एसडीएम कार्यालय में पदस्थ बाबू विशाल जैन निलंबित

मंदसौर ,19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखंड मंदसौर में पदस्थ बाबू विशाल जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। सहायक ग्रेड 3 लिपिक श्री जैन की कार्यशैली एवं व्यवहार उचित नहीं होने के कारण उनसे प्रतिवाद चाहा गया जो की समाधानकारक नहीं पाया गया। इस तरह कलेक्टर ने बाबू जैन को सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम (1), (2) एवं (3) का उल्लघंन होने से मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 में निहित प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में विशाल जैन का मुख्यालय तहसील कार्यालय गरोठ रहेगा एवं उपस्थित दिनांक से नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

पौधरोपण कर कराया गौवंश को आहार

पिपलियामंडी, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत पेंशनर महासंघ ने गोपालकृष्ण गौशाला बरखेड़ापंथ परिसर में पौधरोपण किया व गौवंश का हरी घास का आहार कराया। इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष पंकज शर्मा तरुण, देवीलाल सेठिया, हरिसिंह यादव, नवलसिंह चुण्डावत, अमृतलाल जैन, विक्रमसिंह चन्द्रावत, बंशीलाल कारपेंटर आदि उपस्थित रहे।

महिला को पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 19 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महिला ने महिला को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। मुन्देडी निवासी देबुबाई नायक ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि झाडु निकालने के दौरान पड़ोसी भूलीबाई ने गालियां दी, मना किया तो मारपीट की व लकड़ी से सिर पर मारी, जिससे चोंट आई। पुलिसने भूलीबाई पर केस दर्ज किया।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in